भारत ने डब्ल्यूएचओ को यह भी सूचित किया था कि भारत के रजिस्ट्रार जनरल (आरजीआइ) द्वारा नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के माध्यम से प्रकाशित प्रामाणिक डाटा की उपलब्धता को देखते हुए गणितीय माडल का उपयोग भारत के लिए अतिरिक्त मृत्यु संख्या को पेश करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 142 दिनांकः 06-05-2022 शुक्रवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

कांग्रेस उदयपुर में चिंतन शिविर के जरिये सियासी वापसी की राह तलाशने जा रही है। करीब दो दशक पहले शिमला चिंतन बैठक से कांग्रेस की राजनीतिक किस्मत पलटने के इतिहास को देखते हुए पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं को उदयपुर से उम्मीद की किरण फूटने का बेसब्री से इंतजार है।

भारत में कोरोना मौतों पर डब्ल्यूएचओ के आंकड़े पूरी तरह से वास्तविकता से परे - स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना मौतों के डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आपत्ति जताई है। मंत्रालय ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के मॉडल, डेटा कलेक्शन, डेटा सोर्स, प्रक्रिया (मेथोडोलॉजी) पर सवाल है। हम चुप नहीं रहेंगे, सभी ऑफिशियल चैनल का हम इस्तेमाल करेंगे और इस डेटा की आपत्ति को हम एक्जीक्यूटिव बोर्ड में रखेंगे।

केंद्रीय अधिकारी ने कहा, ठ17 राज्यों के आधार पर डेटा जारी तो 17 राज्यों को किस आधार पर चुना गया? हमें लगातार पूछने पर 4 महीने बाद इन राज्यों के नाम बताए गए। कब तक या किस वक्त तक का डेटा डब्ल्यूएचओ ने लिया, जानकारी नहीं दी।ठ नवंबर से केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने डब्ल्यूएचओ को इस संबंध में 10 चिट्ठियां लिखीं पर डब्ल्यूएचओ ने किसी का जवाब किसी नहीं दिया। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस के भारत दौरे पर इस तरह के डाटा को लेकर सवाल उठाया गया था।ठ उन्होंने कहा, ठहमारी टेक्निकल टीम इसको देख रही है।ठ मौत के ये आंकड़े राज्यों की वेबसाइट, अखबारों में आरटीआई के हवाले से छपी खबरें और टेलीफोनिक सर्वे के जरिए लिया गया है। ऑफिशियल डेटा हमसे क्यों नहीं लिया गया?ठ

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा, ठमहाराष्ट्र, केरल, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल, पंजाब, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, असम, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़ बिहार, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और यूपी के आधार पर डब्ल्यूएचओ ने मौत के आकड़ें दिए हैं। हमने 2020 का डेटा दिया। 2021 का डेटा आने वाला है तो हम देंगे। हमारा डेटा बर्थ एंड डेथ रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया से आता है, जो आने वाला है औ आते ही हम इसे साझा करते हैं। हमें ग्रे 2 में क्यों रखा गया? जबकि छोटे छोटे देश जहां आंकड़ा सम्मिलित करने का सही मैकेनिज्म नहीं वो ग्रे 1 में कैसे?ठ

सरकार ने कहा है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ का ये डेटा पूरी तरह से वास्तविकता से परे है। उनका डेटा संकलन न तो किसी सांख्यिकी मॉडल और न ही किसी वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

ज्ञात रहे कि डब्ल्यूएचओ ने अपनी रिपोर्ट में जनवरी 2020 से दिसंबर 2021 के बीच भारत में कोरोना से 47 लाख मौतें होने का दावा किया है और इसे दुनिया में मौतों के कुल आंकड़े का एख तिहाई बताया है। रिपोर्ट में कोरोना से दुनिया भर में 1.5 करोड़ मौतें होने का दावा किया गया है, जबकि आधिकारिक आंकड़ा करीब 60 लाख का है।

पीके का ऐलान, पार्टी नहीं बनाऊंगा, बिहार में राजनीतिक बदलाव के लिए 3000 किलोमीटर की पदयात्रा करूंगा

पटना (ईएमएस)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को लेकर पिछले कई दिनों से कयासों का दौर जारी था। दावा किया जा रहा था कि पीके अपनी नए राजनीतिक दल का गठन कर सकते हैं। हालांकि पीके ने गुरुवार को इस पर विराम लगा दिया। पीके ने ऐलान कर दिया है वह फिलहाल कोई राजनीतिक पार्टी नहीं बना रहे हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि बिहार में राजनीतिक बदलाव के लिए 3000 किलोमीटर की पदयात्रा करूंगा, जिसकी शुरुआत चंपारण से होगी। हालांकि प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं 17000 से ज्यादा लोगों से बात करूंगा। अगर पार्टी बनाने के लिए वे तैयार हुए, तब इस पर विचार होगी, लेकिन यह पार्टी सिर्फ मेरी नहीं बल्कि सभी की होगी।

पीके ने कहा कि बिहार आज 30 साल के लालू और नीतीश के राज के बाद भी देश का सबसे पिछड़ा और गरीब राज्य है। विकास के कई मानकों पर बिहार आज भी देश के सबसे निचले पायदान पर है। बिहार अगर आने वाले समय में अग्रणी राज्यों की सूची में आना चाहता है,तब इसके लिए नई सोच और नए प्रयास की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बिहार में इसतरह के लोग जिनमें यहां की समस्या को सुलझाने की क्षमता है, बिहार को बदलने का जज्बा है उन लोगों को एक साथ लाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने बताया कि अगर हम पार्टी बनाने की तरफ बढ़ते भी है, तब वहां प्रशांत किशोर की पार्टी नहीं होगी...अगले 3-4 महीनों में हमने बिहार में जिन 17-18 हजार लोगों को चिन्हित किया है, वे साथ में आकर तय करते हैं, कि पार्टी बनाने की जरूरत है, तब उस समय ये फैसला लिया जाएगा। 2 अक्टूबर से मैं स्वयं पश्चिमी चंपारण गांधी आश्रम से 3000 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करूंगा.. बिहार के जिन लोगों से मिलना जरूरी है उनसे मुलाकात की जाएगी। उन्हें जनसुराज की परिकल्पना से जोड़ने का प्रयास होगा।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा सीटों के पुनर्निर्धारण संबंधी अंतिम आदेश पर परिसीमन आयोग ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर पर तीन सदस्यीय परिसीमन आयोग ने नियत कार्य अवधि के सामाप्त होने से एक दिन पहले गुरुवार को केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा सीटों के पुनर्निर्धारण से संबंधित अपने अंतिम आदेश पर हस्ताक्षर कर दिये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस आदेश की एक प्रति और रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या और उनके आकार का विवरण शामिल होगा। इसके बाद एक राजपत्रित अधिसूचना के माध्यम से आदेश जारी किया जाएगा। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत) रंजना देसाई के नेतृत्व वाले आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश में सीटों की संख्या 83 से बढ़ाकर 90 करने का प्रस्ताव रखा है।

इसके अलावा, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 24 सीटें हैं, जो हमेशा रिक्त रहती हैं। पहली बार अनुसूचित जनजातियों के लिए नौ सीटों का प्रस्ताव किया गया है। आयोग ने जम्मू के लिए छह और कश्मीर के लिए एक अतिरिक्त सीट का भी प्रस्ताव रखा है। अभी तक कश्मीर संभाग में 46 और जम्मू संभाग में 37 सीटें हैं। मार्च 2020 में गठित आयोग को पिछले साल, एक साल का विस्तार दिया गया था।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा और जम्मू-कश्मीर के राज्य चुनाव आयुक्त, परिसीमन आयोग के पदेन सदस्य हैं। फरवरी में, आयोग का कार्यकाल फिर से दो महीने के लिए बढ़ाया गया। पहले इसका कार्यकाल छह मार्च को समाप्त होना था।

राहुल गांधी के दौरे से पहले हैदराबाद में लगे बैनर, कांग्रेस नेता से सवाल- क्या 'व्हाइट चैलेंज' के लिए तैयार हैं...

हैदराबाद । कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को हैदराबाद पहुंचने वाले हैं। इससे पहले ही हैदराबाद में बैनर लगे हैं जिनमें उनसे पूछा गया है कि क्या वह 'व्हाइट चैलेंज' के लिए तैयार हैं। शहर के बीचों-बीच हुसैन सागर झील पर लगे बैनर में पूछा गया है कि राहुल जी क्या आप 'व्हाइट चैलेंज' के लिए तैयार हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को हैदराबाद पहुंचने वाले हैं। इससे पहले सूबे की सियासत गरमा गई है। हैदराबाद में बैनर लगे हैं जिनमें उनसे पूछा गया है कि क्या वह व्हाइट चैलेंज के लिए तैयार हैं।

बैनर में पार्टी या व्यक्तियों के नाम नहीं हैं लेकिन मालूम पड़ता है कि इसे तेलंगाना के उद्योग एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री केटी रामा राव के समर्थकों द्वारा लगाया गया है जिन्होंने पिछले साल सितंबर में कांग्रेस सांसद को 'व्हाइट चैलेंज' (दवा परीक्षण) के लिए चुनौती दी थी। केटीआर के नाम से लोकप्रिय रामा राव ने राज्य कांग्रेस प्रमुख ए रेवंत रेड्डी द्वारा तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के नेता को चुनौती देने के बाद राहुल को यह चुनौती दी थी।

रेवंत रेड्डी ने घोषणा की थी कि वह युवाओं में बढ़ते नशे की लत को देखते हुए जागरूकता पैदा करने के लिए 'व्हाइट चैलेंज' शुरू कर रहे थे। कांग्रेस नेता ने केटीआर को चुनौती के लिए तेलंगाना शहीद स्मारक पहुंचने की चुनौती दी थी। सांसद भी मौके पर पहुंच गए थे लेकिन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के बेटे केटीआर ने कहा था कि रेवंत रेड्डी के साथ ऐसा ड्रग परीक्षण कराना उनकी गरिमा के प्रतिकूल था।

नवनीत राणा को एक और राहत जाति प्रमाणपत्र मामले की सुनवाई जुलाई तक टली

मुंबई (ईएमएस)। हनुमान चालीसा विवाद में जमानत पा चुकी लोकसभा सांसद नवनीत राणा को सुप्रीम कोर्ट से एक और राहत मिली है। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि वह जुलाई में लोकसभा सांसद नवनीत कौर राणा की उस अपील पर सुनवाई करेगी जिसमें बंबई उच्च न्यायालय के जाति प्रमाण पत्र को रद्द करने के फैसले को चुनौती दी गई थी। निर्दलीय सांसद नवनीत कौर राणा महाराष्ट्र के, अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित अमरावती निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी की पीठ ने मामले पर सुनवाई को स्थगित कर दिया। इससे पहले, राणा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा था कि उन्हें कुछ समय चाहिए। पीठ ने कहा, ''हम जुलाई में मामले पर सुनवाई करेंगे।'' छुट्टियों के बाद, नई पीठ के मामले पर सुनवाई करने की संभावना है, क्योंकि न्यायमूर्ति सरन 10 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 22 जून को राणा का जाति प्रमाण पत्र रद्द करने के उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी थी। बंबई उच्च न्यायालय ने कहा था कि जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर फर्जी तरीके से जाति प्रमाण पत्र हासिल किया गया। अदालत ने राणा पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। राणा ने 2019 में अमरावती से चुनाव जीता था। उन्होंने अपने हलफनामे में दावा किया था कि वह ''मोची'' जाति से नाता रखती हैं। चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने उनका समर्थन किया था। इससे पहले मुंबई की एक विशेष अदालत ने निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके पति एवं विधायक रवि राणा को बुधवार को जमानत दे दी। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बांद्रा स्थित निजी आवास 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की सार्वजनिक घोषणा से उत्पन्न विवाद के बाद निर्दलीय लोकसभा सदस्य नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा को 23 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, दंपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुंबई यात्रा का हवाला देते हुए ठाकरे के निजी आवास के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की अपनी योजना को रद्द कर दिया था।

गहलोत ने कहा, राजस्थान में शांति भाजपा को पच नहीं रही, भाजपा का आरोप गहलोत को चिंतन शिविर की चिंता

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में जारी हिंसा की वजह से इस पर राजनीति भी खूब हो रही है। रामनवमी के दौरान करौली में हिंसा हुई थी। अब जोधपुर में दो पक्षों के बीच तनाव हुआ है। राजस्थान में बढ़ते हिंसा और तनाव को लेकर भाजपा लगातार अशोक गहलोत और उनकी सरकार पर हमलावर दिख रही है। इस बीच गुरुवार को भाजपा ने राज्य में हुंकार रैली निकाली है। राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में भाजपा गहलोत सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। दूसरी ओर मुख्यमंत्री गहलोत ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा और आरएसएस एजेंडा तय कर रहे हैं।

अपने बयान में गहलोत ने कहा कि वे (आरएसएस और भाजपा) एजेंडा तय कर रहे हैं। वे करौली, जोधपुर और रामगढ़ में दंगे भड़काने की योजना बना रहे थे। हमने समय पर कार्रवाई की और उसके कारण केवल छोटी-छोटी घटनाएं हुईं लेकिन हमने अपराधियों को गिरफ्तार किया है और किसी को नहीं बख्शने वाले हैं, हम राज्य में हिंसा नहीं होने देने वाले हैं। आरोपी भागते फिर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने तय कर रखा है कि किसी भी कीमत पर राजस्थान में हिंसा नहीं होने देने वाले हैं, इनकी हरकतों का मुकाबला करने वाले हैं। इससे पहले गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधकर कहा था कि भाजपा को राजस्थान में शांति हजम नहीं हो रही है, इसकारण वह कांग्रेस और राज्य सरकार को बदनाम करने के षडयंत्र में लगी है।

वहीं भाजपा की ओर से कहा गया है कि मुख्यमंत्री बजाय अपनी गलती मानने के छोटी-मोटी घटना बताकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। इस मामले की गहनता से जांच होनी चाहिए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री को जोधपुर आना चाहिए था, लेकिन उन्हें कांग्रेस के चिंतन शिविर की चिंता ज्यादा है, जोधपुर शहर के लोगों की सुरक्षा की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में हनुमान चालीसा पढ़ना, भगवा लहराना और भगवा फहराना अपराध है,तब यह हमारा दुर्भाग्य है। राजस्थान में बहुसंख्यकों पर हमले बर्दाश्त नहीं, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सुरक्षा सुनिश्चित करें, निर्दोषों को ना फंसाया जाए, एक भी दोषी ना बचे, सख्त कार्यवाही हो।

अजित पवार की राज ठाकरे को दो टूक

नई दिल्ली (ईएमएस)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के आह्वान को लेकर महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ किसी को भी चेतावनी भरे लहजे में बात नहीं करना चाहिए। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में सभी धार्मिक स्थलों पर ध्वनि प्रदूषण को लेकर उच्चतम न्यायालय का फैसला लागू होता है और राज्य सरकार कानून और संविधान के अनुरूप चलती है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने राज्य सरकार को तीन मई तक मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने का 'अल्टीमेटम' दिया था। राज ठाकरे ने अजान के लिए लाउडस्पीकर का उपयोग किए जाने के विरोध में लोगों से हनुमान चालीसा का पाठ करने का आह्वान किया था। पवार ने मनसे के नेता का नाम लिए बिना कहा, ''सरकार के साथ किसी को चेतावनी भरे लहजे में बात नहीं करनी चाहिए। यह कोई तानाशाही नहीं है। अगर आप अपने घर के अंदर, अपने परिवार के सदस्यों को 'अल्टीमेटम' देना चाहते हैं, तो दें... उससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन, अगर कोई सार्वजिनक रूप से ऐसी कोई टिप्पणी करेगा तो याद रखें कि सरकार और देश कानून तथा संविधान के अनुरूप चलता है। कानून सभी के लिए बराबर है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना आसान है, लेकिन जहां तक उच्चतम न्यायालय का आदेश लागू करने की बात है, तो सभी धार्मिक स्थलों को इसका पालन करना होगा।

अमरनाथ यात्रा को दहलाने की साजिश बीएसएफ ने किया नाकाम

जम्मू (ईएमएस)। पाकिस्तान की चमन सुरंग साजिश का एक बार फिर हुआ भंडाफोड़ है। अमरनाथ यात्रा को दहलाने और नारको टेररिज्म को बढ़ाने के उद्देश्य से भारत-पाकिस्तान सीमा पर खोदी गई। सुरंग को बीएसएफ ने खोज निकाला है। यह सुरंग पाकिस्तानी फौज की देखरेख में आतंकवादियों ने पाकिस्तान की पेशेवर इंजीनियरों की मदद से बनाई थी। पिछले डेढ़ साल में बीएसएफ द्वारा पकड़ी गई पांचवी सुरंग है। सीमा के सांबा बॉर्डर के नजदीक भारतीय सीमा में चक फकीरा पोस्ट के पास इस सुरंग को पकड़ी गई। यह सुरंग इतनी खूबसूरती से खोदी गई है कि इसे आम आतंकवादी नहीं खोद सकता। इस सुरंग की बाबत सीमा सुरक्षा बल को बुधवार की शाम उस समय पता चला जब सांबा सेक्टर के इलाके में नियमित जांच की जा रही थी। इस सुरंग के मुहाने को कुछ इस तरह से ढका गया था की आसानी से सुरंग होने का पता ही ना चल सके। शुरुआती जांच के दौरान बीएसएफ को पता चला है कि यह सुरंग पाकिस्तानी सीमा में पाकिस्तानी फौज की चौकी चमन खुर्द फियाज के पास शुरू होती है, जो वहां से लगभग 900 मीटर की दूरी पर है। यह सुरंग भारतीय सीमा के भीतर आकर डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर निकलती है। यानी, कुल मिलाकर लगभग 1 किलोमीटर लंबी सुरंग पाकिस्तानी फौज की देखरेख में खोजी गई। बीएसएफ का मानना है यह सुरंग ताज़ी-ताज़ी खुदी हुई है यानी इसे हाल में ही खोदा गया है। इसका मकसद जम्मू में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा में आतंक फैलाने के लिए सीमा पार से आतंकवादी और गोला-बारूद भेजना भी हो सकता है। इसके अलावा इस सुरंग का मकसद नारको टेररिज्म को बढ़ाने का भी हो सकता है। यह सुरंग इतनी बड़ी है कि इसमें बड़े आराम से एक आदमी हथियार लेकर या नारकोटिक्स से भरी हुई बोरी लेकर आराम से आ जा सकता है। सुरंग को जिस तरीके से खुद आ गया है उससे साफ जाहिर है कि पाकिस्तानी सेना की देखरेख में इस सुरंग को सुरंग खोलने वाले पेशेवर इंजीनियरों के निर्देशन में आतंकवादियों ने खोदा होगा। बीएसएफ के एक आला अधिकारी ने बताया कि पिछले डेढ़ साल के दौरान यह पांचवी सुरंग है, जो पकड़ी गई। दिलचस्प यह भी है की इस सुरंग को ऐसी जगह खोदा गया जहां रेतीली दोमट मिट्टी के टीले हैं यानी पानी रिसाव का कोई खतरा ही नहीं है। इस बात की जांच की जा रही है कि इस सुरंग के जरिए कहीं आतंकवादी भारतीय सीमा में प्रवेश तो नहीं कर चुके। पाकिस्तान की नापाक चमन सुरंग आने वाले दिनों में क्या गुल खिलाएगी, यह तो अब भविष्य ही बताएगा। लेकिन सुरंग से आने वाले खतरे के मद्देनजर बीएसएफ की सूचना पर तमाम खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है और आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। जिससे पता चल सके कि हाल ही के दिनों में कोई पाकिस्तानी या अफगानी इस इलाके में तो नहीं आया।

सांसद नवनीत कौर राणा की याचिका पर जुलाई में सुनवाई करेगा महाराष्ट्र हाईकोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि निर्दलीय लोकसभा सांसद नवनीत कौर राणा की उस याचिका पर वह जुलाई में सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने अपने जाति प्रमाण पत्र को रद्द करने के बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है। निर्दलीय सांसद नवनीत राणा महाराष्ट्र के, अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित अमरावती निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी की पीठ ने मामले पर सुनवाई को स्थगित कर दिया। इसके पहले, राणा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा था कि उन्हें कुछ समय चाहिए।

पीठ ने कहा, हम जुलाई में मामले पर सुनवाई करने वाले हैं। छुट्टियों के बाद, नई पीठ के मामले पर सुनवाई करने की संभावना है, क्योंकि न्यायमूर्ति सरन 10 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 22 जून को राणा का जाति प्रमाण पत्र रद्द करने के उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी थी। मुंबई उच्च न्यायालय ने कहा था कि जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर फर्जी तरीके से जाति प्रमाण पत्र हासिल किया गया।अदालत ने राणा पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था।

भारतीय किसान संघ ने गेहूं पर 500 रूपया प्रति क्विंटल तक बोनस की मांग की

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े भारतीय किसान संघ ने देश में गेहूं के उत्पादन में अनुमानित कमी और सरकारी गेहूं की खरीद में आयी गिरावट पर चिंता जताते हुए मांग की है कि सरकार गेहूं किसानों के लिए तय कीमत पर अलग से 500 रूपया प्रति क्विंटल तक बोनस की घोषणा करे।

देश में गेहूं के उत्पादन में अनुमानित कमी और गेहूं की सरकारी खरीद में कमी पर चिंता जताते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष बद्रीनारायण चौधरी और महामंत्री मोहिनी मिश्रा ने कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को चिट्ठी लिखी है।

भारतीय किसान संघ की मांग है कि संकट को देखते हुए भारत सरकार ज्यादा गेहूं उत्पादन करने वाले राज्यों के साथ मिलकर गेहूं के किसानों को तय कीमत पर अलग से 500 रुपये प्रति क्विंटल तक बोनस देने का प्रावधान करें। जिससे कि गेहूं का अभी जो प्राइवेट ट्रेडर्स के पास डायवर्जन हो रहा है उसे तत्काल रोका जा सके और खाद्य सुरक्षा के लिए देश में गेहूं का पर्याप्त स्टॉक तैयार रखा जा सके।

पिछले साल गेहूं की खरीद 433 लाख मीट्रिक टन हुई थी। जो इस साल घटकर 195 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और गुजरात में किसान ट्रेडर्स और एक्सपोर्टरों को 21-24 रुपये की रेट पर बेच रहे हैं जो एमएसपी रेट 20.15 रुपये/किग्रा से ज्यादा है। पंजाब, हरियाणा और उत्तरप्रदेश में गेहूं प्रोडक्शन समय से पहले तेज़ गर्मी की वजह से घटा है।

राजनाथ सिंह बोले, भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर ध्यान देने की जरूरत

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगाह किया है कि रुस और यूक्रेन जंग से भारत को भी सीख लेनी की जरुरत है। सीख इस बात की कि इस तरह के युद्ध हमारे देश को मिलने वाली चुनौतियों के तौर पर भी सामने आ सकते हैं। गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के बीच तालमेल सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि सशस्त्र बलों के एकीकरण की चल रही प्रक्रिया का उद्देश्य न केवल संयुक्त क्षमता बल्कि दक्षता भी बढ़ाना है। रक्षा मंत्री ने भारतीय वायु सेना को एक 'एयरोस्पेस बल' बनने और देश को उभरते खतरों से बचाने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। गुरुवार को राजनाथ सिंह राजधानी दिल्ली में वायुसेना द्वारा आयोजित पीसी लाल मेमोरियल लेक्चर में बोल रहे थे।

इस दौरान राजनाथ ने सशस्त्र बलों को अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भी कहा। साथ ही रक्षा में आत्मनिर्भरता हासिल करने की आवश्यकता पर अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने ने कहा कि यह न केवल घरेलू क्षमता का निर्माण करने के लिए बल्कि देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए भी आवश्यक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे पिछले अनुभवों ने हमें सिखाया है कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए आयात पर निर्भर नहीं हो सकता है। हाल के संघर्षों, विशेष रूप से यूक्रेन की स्थिति ने हमें सिखाया है कि न केवल रक्षा आपूर्ति (प्रभावित हो सकती है), बल्कि वाणिज्यिक अनुबंध भी प्रभावित होने की संभावना है जब बात राष्ट्रीय हितों के हो।

रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर हम हाल के कुछ संघर्षों पर एक नजर डालें, तो हमें कई महत्वपूर्ण उदाहरण मिलेंगे। यदि हम सीरिया, इराक, अफगानिस्तान और वर्तमान यूक्रेनी संघर्ष पर करीब से नजर डालें, तो हमें कई दृष्टिकोण मिलेंगे जिनसे हम भविष्य के युद्ध को लेकर आकलन कर सकते हैं। विकसित हो रही भू-राजनीतिक स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने ने कहा कि भविष्य के युद्धों की प्रकृति का अनुमान लगाना हमारा कर्तव्य है। साथ ही कहा कि हमारे विरोधियों द्वारा अंतरिक्ष के सैन्य उपयोग की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। निश्चित रूप से इससे हमारे हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसलिए अपने आपको मजबूत रखना होगा।

केजरीवाल सरकार ने दिया विकल्प, एक अक्टूबर से स्वैच्छिक होगी बिजली सब्सिडी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में एक अक्टूबर से बिजली पर सब्सिडी स्वैच्छिक होगी। दिल्ली में अब उन्हीं लोगों को बिजली पर सब्सिडी मिलेगी, जो लोग सब्सिडी मांगेंगे। इस संबंध में केजरीवाल सरकार सभी बिजली उपभोक्ताओं को विकल्प चुनने को देगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में आज दिल्ली कैबिनेट ने यह अहम निर्णय लिए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बिजली का बिल देने में सक्षम लोगों से मिले सुझावों के बाद यह निर्णय लिया गया है। बिजली पर सब्सिडी चाहिए या नहीं चाहिए, इसके लिए सरकार हर उपभोक्ता को अब विकल्प देगी। जो लोग सब्सिडी मांगेंगे, उसको सब्सिडी मिलेगी और जो लोग सब्सिडी नहीं मांगेंगे, उनको नहीं मिलेगी। इसके अलावा, दिल्ली कैबिनेट ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में भी बिजली सब्सिडी योजना को जारी रखने का निर्णय लिया है। कैबिनेट के इस फैसले से कोरोना महामारी के बाद महंगाई की मार झेल रहे दिल्ली के करीब 47,11,176 बिजली उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलेगी। पिछले वर्ष की भांति जारी वित्तीय वर्ष (2022-23) में भी घरेलु बिजली उपभोक्ताओं, किसानों, कोर्ट परिसर, वकीलों के चैंबर और 1984 सिख दंगा पीड़ितों को बिजली पर सब्सिडी का लाभ मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में आज दिल्ली सचिवालय में कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई। कैबिनेट बैठक में बिजली विभाग की तरफ से बिजली सब्सिडी योजना को आगे भी जारी रखने का प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव में कहा गया कि दिल्ली सरकार की तरफ से घरेलु उपभोक्ताओं, किसानों, कोर्ट परिसर और वकीलों के चैंबर्स को उनके खपत के आधार पर कई कैटेगरी में बांट कर सब्सिडी दी जाती है, जिसे आगे जारी रखा जाना चाहिए। विभाग के इस प्रस्ताव पर कैबिनेट ने गंभीरता से विचार-विमर्श किया और कोरोना महामारी के बाद महंगाई की मार से परेशान लोगों को थोड़ी राहत देने के लिए बिजली सब्सिडी योजना को जारी वित्तीय वर्ष (2022-23) में भी जारी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि दिल्ली में बहुत सारे लोगों को फ्री बिजली मिलती है। इसके लिए दिल्ली सरकार सब्सिडी देती है। बीच-बीच में कई लोगों के सुझाव भी आते हैं और कई लोगों की चिट्ठी आती है। वे कहते हैं कि यह अच्छी बात है कि दिल्ली सरकार हमें फ्री बिजली दे रही है, लेकिन हमारे में से कुछ लोग हैं जो बिजली का बिल देने सक्षम हैं। इसलिए हम फ्री बिजली नहीं लेना चाहते हैं। हम आपकी सब्सिडी नहीं लेना चाहते हैं। आप इस पैसे को कहीं स्कूल और अस्पताल बनाने में इस्तेमाल कर लीजिए। इसलिए अब हमने तय किया है कि दिल्ली सरकार बिजली सब्सिडी के लिए एक विकल्प देगी। हम लोगों से पूछेंगे कि क्या आपको बिजली की सब्सिडी चाहिए। अगर वो कहेगा कि हां, हमें बिजली की सब्सिडी चाहिए, तो हम उसको सब्सिडी देंगे। अगर वो कहेगा कि हमें बिजली की सब्सिडी नहीं चाहिए, "तो हम उनको सब्सिडी नहीं देंगे। सब्सिडी चाहिए या नहीं चाहिए, यह लोगों से पूछने काम जल्दी शुरू होगा। एक अक्टूबर से दिल्ली के अंदर उन्हीं लोगों को बिजली की सब्सिडी दी जाएगी, जो लोग बिजली की सब्सिडी मांगेंगे।

उल्लेखनीय है कि केजरीवाल सरकार ने 2016-17 में बिजली सब्सिडी योजना की शुरूआत की थी। सरकार द्वारा दिल्ली वालों को कई कैटेगरी में बांट कर बिजली पर सब्सिडी प्रदान की जाती है। केजरीवाल सरकार द्वारा 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाती है। 200 यूनिट से कम बिजली की खपत करने वालों उपभोक्ताओं का 100 फीसद बिजली का बिल माफ होता है। दिल्ली में 200 यूनिट से नीचे बिजली की खपत करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या करीब 30,39,766 हैं, जिनको जीरो बिल का लाभ मिल रहा है। वहीं, 201 से 400 यूनिट तक बिजली की खपत करने वाले उपभोक्तओं को अधिकतम 800 रुपए तक की सब्सिडी दी जाती है।

कार्टून कोना

यूक्रेन संकट पर भारत-फ्रांस ने गंभीर चिंता व्यक्त की, कहा- तुरंत दुश्मनी त्यागे दोनों देश

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर 'गंभीर चिंता' जताई और कहा कि इस दुश्मनी को शीघ्र समाप्त करने की अपील की है। दोनों नेताओं ने लोगों की पीड़ा का तुरंत अंत करने के वास्ते वार्ता तथा कूटनीति को बढ़ावा देने के लिए दोनों पक्षों को एक साथ लाने का आह्वान किया। मोदी और मैक्रों के बीच यहां बुधवार को हुई बातचीत के बाद जारी किए गए एक संयुक्त बयान में दोनों देशों ने वार्ता और कूटनीति को बढ़ावा देने का आह्वान किया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर गहन चर्चा की और भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के अगले चरण के लिए महत्वाकांक्षी एजेंडा तैयार करने पर सहमत हुए।

संयुक्त बयान के अनुसार, फ्रांस ने 'रूसी बलों की यूक्रेन के खिलाफ गैरकानूनी और अकारण आक्रामकता की एक बार फिर कड़ी निंदा की।' बयान में कहा गया कि भारत और फ्रांस ने यूक्रेन में जारी संघर्ष और मानवीय संकट पर 'गंभीर चिंता' व्यक्त की। बयान के अनुसार, 'उन्होंने स्पष्ट रूप से यूक्रेन में नागरिकों की मौत की निंदा की और लोगों की पीड़ा का तत्काल अंत खोजने के वास्ते वार्ता तथा कूटनीति को बढ़ावा देने के लिए दोनों पक्षों को एक साथ लाने तथा शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया।' बयान में कहा गया कि दोनों देशों ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और देशों की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। मोदी और मैक्रों ने यूक्रेन में संघर्ष के क्षेत्रीय तथा वैश्विक प्रभावों पर चर्चा की और इस मुद्दे पर समन्वय बढ़ाने को लेकर सहमति व्यक्त की।

भारत और फ्रांस ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण की वर्तमान चुनौतियों को लेकर भी चिंता व्यक्त की, जो पहले से ही कोविड-19 वैश्विक महामारी से प्रभावित है। भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने एक संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस यात्रा पर कहा कि दोनों देशों ने यूक्रेन को लेकर एक दूसरे की स्थिति को व्यापक रूप से समझा। उन्होंने कहा कि दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि घनिष्ठ समन्वय महत्वपूर्ण है, ताकि भारत और फ्रांस उभरती स्थिति में सकारात्मक भूमिका निभा सकें। मोदी की यूरोप के तीन देशों की यात्रा यूक्रेन संकट के बीच और ऐसे वक्त में हुई है, जब रूस के खिलाफ यूरोप लगभग एकजुट है। इससे पहले यूक्रेन का मुद्दा बुधवार को कोपेनहेगन में दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भी प्रमुखता से उठा, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और फिनलैंड, आइसलैंड, स्वीडन, नॉर्वे तथा डेनमार्क के उनके समकक्षों ने भाग लिया था।

जन हितैषी

आप बनने की कोशिश

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर के बिहार में अपनी पार्टी शुरू करने के फैसले से राजनीतिक पंडितों को खास हैरानी नहीं हुई है। वह पिछले काफी समय से अपने गृह नगर को लेकर विचार कर रहे थे। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब बिहार में राजनीतिक घटनाक्रम तेज हैं। मालूम हो कि किशोर सासाराम में पैदा हुए थे। किशोर ने जन स्वराज की घोषणा ऐसे समय में की है जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर अस्तित्व के संकट का सामना कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की आधिकारिक स्थिति यह है कि राज्य में मुख्यमंत्री पद के परिवर्तन का कोई सवाल ही नहीं है। 74 सीटों के साथ भाजपा विधायिका में सबसे बड़ी पार्टी है, जनता दल यूनाइटेड के पास 43 सीटें हैं। नीतीश को दिल्ली भेजने का ऑप्शन भी नहीं दिखता है। भाजपा में कई लोग निजी तौर पर इस बारे में बात करते हैं कि कैसे 2020 के चुनावों के बाद, यह महसूस किया गया कि सत्ता में भाजपा की अधिक चलेगी, लेकिन मुख्यमंत्री कार्यालय सभी को नियंत्रित करता दिखता है। इसे लेकर राज्य के भाजपा नेताओं और कुछ मंत्रियों में नाराजगी है। प्रशांत किशोर बिहार में आप बनने की कोशिश कर रहे हैं। वह जानते हैं कि लोग कुछ विकल्प चाहते हैं। जनता दल में 35 फीसदी वोट शेयर है जबकि नीतीश कुमार के पास 15 फीसदी और शेष 15 फीसदी कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों जैसे अन्य दलों के पास है। बिहार में सत्ता में रहने के लिए दो समूहों का एक साथ होना जरूरी है। 2015 में नीतीश और राजद एक साथ आए थे और अब यहां दो अन्य एक साथ हैं। जब तक कोई दूसरा विकल्प न हो, वे साथ रहेंगे। किशोर अपने गृह राज्य में इस बदलाव के एजेंट बनने की उम्मीद कर रहे होंगे। जबकि उन्होंने नई आप होने के इस सिद्धांत को खारिज कर दिया और आगे टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को पार्टी के समर्थन पर जेडीयू से अलग होने के बाद एक पहल की घोषणा की। वह दो साल पहले (महामारी से ठीक पहले) था, और उस समय उन्होंने राज्य में समान विचारधारा वाले लोगों को आकर्षित करने की अपनी पहल के बारे में बात की। पीके ने दावा किया कि वह एक आंदोलन में एक लाख लोगों को नामांकित कर सकते हैं, लेकिन वह पहल ठप हो गई। भाजपा किशोर को गंभीरता से ले रही है। भाजपा लीडर ने कहा कि किशोर ब्राह्मण नेता होने के नाते उनके वोटों को काट सकते हैं। चूंकि आम आदमी पार्टी पंजाब में स्थापित पार्टियों को हराने में सफल रही थी, ऐसे में बिहार में भी ऐसे ही हालात पैदा होंगे, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। किशोर ने इस साल की शुरुआत में नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। यह स्पष्ट है कि दोनों के बीच एक खुला चैनल है। इसे नकारा नहीं जा सकता है। प्रशांत किशोर के करीबी सूत्र बताते हैं कि चुनावी रणनीतिकार को उस समय भी लगा कि उन्हें धोखा दिया गया है, जब नीतीश कुमार सरकार को रिपोर्ट करने वाली पटना पुलिस ने साल 2020 में उनके खिलाफ कंटेंट चोरी के आरोपों को साबित करने के लिए प्रयास किए। साल 2018 में जब कुमार और भाजपा के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था, तब किशोर, नीतीश कुमार की ओर से राजद नेता लालू प्रसाद यादव के पास पहुंचे थे। लेकिन भाजपा नेतृत्व की तरफ से कमान संभालने का भरोसा मिलने के बाद सीएम ने अपने विचार बदल लिए थे। सोमवार को पीके ने एक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने बिहार से शुरुआत की बात कही थी। इसके बाद से ही अटकलें लगने लगी थी कि किशोर अपनी पार्टी शुरू करने जा रहे हैं। इससे पहले पीके और कांग्रेस के बीच भी चर्चाओं का लंबा दौर चला, लेकिन अंत में बैठकें सफल नहीं हुई और किशोर ने पार्टी में शामिल होने का ऑफर ठुकरा दिया। इस बात की जानकारी चुनावी रणनीतिकार ने खुद ट्वीट के जरिए दी थी।

राहुल और मोदी: घटिया राजनीति

कांग्रेसी नेता राहुल गांधी की काठमांडो-यात्रा पर दोनों तरफ से कितनी घटिया राजनीति हो रही है। राहुल गांधी का किसी नेपाली महिला पत्रकार की शादी में जाना क्या हुआ, जैसे भारत की राजनीति में तूफान आ गया। भाजपा के कई नेताओं ने बयानों के गोले दाग दिए। एक प्रवक्ता ने लिख मारा कि राहुल गांधी उस वक्त काठमांडो के किसी नाइट क्लब में मौज-मजे कर रहे हैं जबकि मुंबई में तूफान आ रहा है। इस प्रवक्ता का इशारा ईद पर होनेवाली मुठभेड़ की तरफ रहा होगा। प्रवक्ता ने यह भी लिख दिया कि कांग्रेस पार्टी बिखरने के कगार पर है और उसका नेता नाइट क्लब में अठखेलियां कर रहा है। ऐसा लगता है कि भाजपा को कांग्रेसियों से भी ज्यादा चिंता इस बात की है कि कांग्रेस बिखर रही है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, जो राहुल के निर्वाचन क्षेत्र वायनाड में थीं, उन्होंने भी चुटकी लेने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनसे जब पत्रकारों ने पूछा कि केरल सरकार केंद्र सरकार की कई योजनाओं को जान-बूझकर क्यों लागू नहीं कर रही हैं तो उन्होंने कहा कि आप लोग राहुलजी को ढूंढ सको तो उनसे पूछो कि ऐसा क्यों हो रहा है? दूसरे शब्दों में स्मृति ने भी जरा नरम शब्दों में राहुल की काठमांडो-यात्रा पर व्यंग्य कस दिया। यहां सवाल यही है कि क्या किसी विपक्षी नेता को विदेश-यात्रा करने का अधिकार नहीं है? यदि सिर्फ प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री की विदेश यात्राओं से सारे विपक्षी नेताओं की यात्राओं की तुलना करें तो इन नेताओं की यात्राएं बहुत छोटी मालूम पड़ेगीं। यह ठीक है कि विपक्षी नेताओं की यात्रा प्रायः व्यक्तिगत होती हैं लेकिन उन यात्राओं के दौरान क्या वे राष्ट्रविरोधी हरकतें करते हैं? वे राष्ट्रहित की रक्षा में उतनी ही मुस्तैदी दिखाते हैं जितने सत्तारूढ़ नेता दिखाते हैं। अटलजी के जमाने में संयुक्तराष्ट्र संघ में मेरे साथ गैर-भाजपाई नेता भी न्यूयार्क गए थे लेकिन मैंने देखा कि वे अपने भाषणों और व्यक्तिगत संवाद में सत्तारुढ़ नेताओं से भी अधिक सतर्क थे। यदि राहुल गांधी अपनी किसी नेपाली महिला मित्र की शादी में भाग लेने कांठमांडो गए तो इससे भारत-नेपाल संबंधों में प्रेमभाव बढ़ेगी ही। यदि राहुल की उम्र के नेता घर में ही कैद रहें तो क्या यह आदर्श स्थिति मानी जाएगी? उस महिला मित्र की मर्जी कि वह अपना विवाह समारोह किसी नाइट क्लब में मनाती है या किसी धर्मशाला में। उस पार्टी में चीन की महिला राजदूत के दिखाई पड़ने पर भी एतराज किया गया। भाजपा के प्रवक्ता चीनी राष्ट्रपति और विदेश मंत्री के साथ मोदी और जयशंकर को देखकर आपत्ति क्यों नहीं करते? लेकिन अफसोस की बात है कि कांग्रेस के प्रवक्ताओं ने भाजपाइयों को भी इस घटियापन में मात कर दिया। उन्होंने प्रत्याक्रमण करते हुए कहा कि अरे, अपने नरेंद्र मोदी को देखो। वे नवाज शरीफ के यहां बिना बुलावे के ही शादी में केक काटने चले गए। यह बात कितनी बेसिर-पैर की है। मोदी को सस्म्मान बुलाया गया था, इस तथ्य की मुझे व्यक्तिगत जानकारी है। उनके अलावा कुछ अन्य भारतीयों को भी बुलाया गया था। मोदी ने मियां नवाज के यहां जाकर बहुत अच्छी पहल की थी। दोनों देशों के संबंध पटरी पर आने लगे थे लेकिन पठानकोट में वायुसेना के अड्डे पर हुए हमले ने गाड़ी को पटरी से उतार दिया। यदि कांग्रेस के लोग भाजपाइयों की तर्कहीन टिप्पणी पर चुप रह जाते तो उनकी छवि बेहतर बनकर उभरती लेकिन दोनों पार्टियों ने ऐसी निरंकुश टिप्पणियां करके भारतीय राजनीति को घटिया पायदान पर उतार दिया है। (लेखक/ ईएमएस-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

दैनिक पंचांग

06 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2022 वर्ष का 126 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 12.33 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 09.20 बजे को समाप्त।
योग धृति 19.06 बजे को समाप्त।
करण बालव 12.33 बजे तदनन्तर कौलव 01.47 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 05.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 28'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871240
जूलियन दिन 2459705.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सव्वाल **तारीख** 04
विशेष स्कन्द षष्ठी, शंकराचार्य/ रामानुज/ सूरदास जयंती।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मेष में	वृष	05.58 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मिथुन	07.56 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	10.10 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	12.26 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	14.38 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.49 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	19.03 ब.से
राहु	मेष में	धनु	21.19 बजे से
केतु	तुला में	मकर	23.24 बजे से
		कुंभ	01.11 बजे से
		मीन	02.44 बजे से
		मेष	04.14 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एशियाई चैम्पियनशिप में भारतीय पहलवानों का जलवा

(खेल-खिलाड़ी)- लगातार तीसरी खिताबी जीत वाले पहले भारतीय पहलवान बने रवि दहिया

पिछले दिनों मंगोलिया में आयोजित एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय पहलवानों ने कुल 17 पदक जीते। चैंपियनशिप में अपनी-अपनी श्रेणियों में बजरंग पूनिया ने रजत पदक, गौरव बालियान ने रजत पदक, नवीन तथा सत्यव्रत कादियान ने कांस्य पदक जीते लेकिन सबसे बड़ा कारनामा किया टोक्यो ओलम्पिक में रजत पदक जीतने के बाद भारतीय पहलवान रवि कुमार दहिया ने। रवि ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर एक बार फिर साबित कर दिया कि उनके इरादों में कितना दम है। रवि ने शारीरिक क्षमता और रणनीतिक श्रेष्ठता के बूते कजाकिस्तान के रखत कालजान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई चैंपियनशिप में जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तकनीकी श्रेष्ठता का परिचय देते हुए रवि ने पहले पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल में जापान के रिकुतो अराई को हराया और उसके बाद मंगोलिया के जानाबाजार जंदनबुड पर 12-5 से शानदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई। हालांकि रवि ने अपने सभी मुकाबलों में शुरूआत में बढ़त गंवा दी थी लेकिन शानदार तरीके से वापसी करते हुए पुरुष फ्रीस्टाइल स्पर्धा में सभी प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ दिया। फाइनल मुकाबले में रखत कालजान ने उन्हें काफी समय तक कोई अंक नहीं लेने दिया था लेकिन अपनी चिर-परिचित शैली के अनुरूप रवि ने मुकाबले पर दबदबा बनाना शुरू कर दिया और लगातार 6 'टू-प्वाइंटर' हासिल किए, साथ ही स्वयं को 'लेफ्ट-लेग अटैक' से भी बचाया, जिससे मुकाबला दूसरे पीरियड के शुरू में ही समाप्त हो गया और भारत ने 2022 की एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के टूर्नामेंट का पहला स्वर्ण पदक रखत कालजान को 12-2 से हराते हुए अपने नाम किया।

गौरतलब है कि रवि ने इससे पहले 2020 में दिल्ली में और 2021 में अलमाटी में भी एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था और इस चैंपियनशिप में इस बार उन्होंने लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक भारत के नाम किया है। कोई भी भारतीय फ्री स्टाइल पहलवान अभी तक ऐसा कारनामा नहीं कर सका है और रवि लगातार तीसरी खिताबी जीत दर्ज कराने वाले पहले भारतीय पहलवान बन गए हैं। इस साल फरवरी में डान कोलोव स्पर्धा में रजत पदक जीतने के बाद रवि का इस सीजन का यह दूसरा फाइनल था। इससे पहले 5 अगस्त 2021 को टोक्यो में 'खेलों के महाकुंभ' में शानदार प्रदर्शन करते हुए रवि रजत पदक जीतने में सफल रहे थे। हालांकि रवि को ओलम्पिक के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद थी लेकिन 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग के फाइनल में 2018 और 2019 के विश्व चैम्पियनशिप रह चुके रूस ओलम्पिक समिति के पहलवान जावुर युगुऐव से 7-4 से हारने के बाद उनका वह सपना चकनाचूर हो गया था। अभी तक कुश्ती में कोई भी भारतीय पहलवान ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने में सफल नहीं हुआ है। हालांकि ओलम्पिक के रेसलिंग मुकाबलों में रवि का रजत पदक भी इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण माना गया क्योंकि ओलम्पिक खेलों के इतिहास में पदक जीतने वाले वे पांचवें पहलवान बने थे और रेसलिंग में भारत का वह केवल छठा पदक था। पहलवान सुशील कुमार ने ओलम्पिक में लगातार दो बार पदक जीते थे।

भारत को सबसे पहले 1952 में हेलसिंकी ओलम्पिक में पहलवान केडी जाधव ने कांस्य पदक दिलाया था। उसके बाद रेसलिंग में पदक के लिए 56 वर्षों का लंबा इंतजार करना पड़ा था। उस लंबे सूखे को 2008 में सुशील कुमार ने बीजिंग ओलम्पिक में कांस्य पदक जीतकर खत्म किया था। उसके बाद 2012 के लंदन ओलम्पिक में दो भारतीय पहलवानों ने जीत का परचम लहराया। सुशील कुमार रजत और योगेश्वर दत्त कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। 2016 के रियो ओलम्पिक में साक्षी मलिक ने कांस्य पदक हासिल किया था। सुशील कुमार के बाद ओलम्पिक में रजत पदक जीतने वाले रवि दूसरे भारतीय पहलवान बने थे। ओलम्पिक के सेमीफाइनल मुकाबले में जब रवि ने मैच के आखिरी मिनट में कजाक पहलवान को अपनी मजबूत भुजाओं में जकड़ लिया था, तब उसने रवि की पकड़ से छूटने के लिए खेल भावना के विपरीत उनकी बांह पर दांतों से काटना शुरू कर दिया था लेकिन रवि ने अपने दबंग इरादों का परिचय देते हुए अपनी मजबूत पकड़ ढ़ीली नहीं होने दी और उसे चित्त करते हुए मुकाबला अपने नाम किया था।

12 दिसम्बर 1997 को हरियाणा के सोनीपत जिले के नाहरी गांव में जन्मे रवि कुमार दहिया ने केवल छह वर्ष की आयु में गांव के हंसराज ब्रह्मचारी अखाड़े में कुश्ती शुरू कर दी थी। दरअसल यह गांव पहलवानों का गांव माना जाता है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां का लगभग हर बच्चा कुश्ती में अपने हाथ आजमाता है। कुछ समय बाद वह उत्तरी दिल्ली के उस छत्रसाल स्टेडियम में चले गए, जहां से दो ओलम्पिक पदक विजेता सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त निकले हैं। वहां 1982 के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता रहे सतपाल सिंह ने उन्हें दस वर्ष की आयु में ही ट्रेनिंग देनी शुरू कर दी थी। रवि के पिता राकेश एक भूमिहीन किसान थे, जो बंटाई की जमीन पर खेती किया करते थे। उनकी दिली तमन्ना थी कि उनका बेटा पूरी दुनिया में देश का नाम रोशन करे और अपनी इसी ख्वाहिश को पूरा करने के लिए उन्होंने आर्थिक संकट के बावजूद बेटे की ट्रेनिंग में कोई कमी नहीं आने दी। वह प्रतिदिन बेटे तक फल ओर दूध पहुंचाने के लिए नाहरी गांव से 40 किलोमीटर दूर छत्रसाल स्टेडियम तक जाया करते थे। 2019 की विश्व चैंपियनशिप में रवि ने कांस्य पदक जीता था लेकिन उस समय उनके पिता उनका वह यादगार मैच नहीं देख सके थे क्योंकि वे काम पर गए हुए थे।

रवि ने 2015 में 55 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में सल्वाडोर डी बाहिया में विश्व जूनियर कुश्ती चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। 2017 में लगी चोट के बाद वह करीब एक साल तक कुश्ती से दूर रहे थे और उसके बाद 2018 में बुखारेस्ट में विश्व अंडर-23 कुश्ती चैम्पियनशिप में 57 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर धमाकेदार वापसी करने में सफल हुए थे। उस चैम्पियनशिप में वह भारत का एकमात्र पदक था। बहरहाल, टोक्यो ओलम्पिक में रवि भले ही स्वर्ण पदक जीतने में सफल नहीं हुए लेकिन उन्होंने भारत को अपने दमदार प्रदर्शन से रजत जीतकर निराश नहीं किया था और अब एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने साबित कर दिया है कि उनके इरादों में कितना दम है। (लेखक- - योगेश कुमार गोयल /ईएमएस)

संत सूरदास जयंती

सूरदास हिन्दी के भक्तिकाल के महान कवि थे। हिन्दी साहित्य में भगवान श्रीकृष्ण के अनन्य उपासक और ब्रजभाषा के श्रेष्ठ कवि महात्मा सूरदास हिंदी साहित्य के सूर्य माने जाते हैं। सूरदास जन्म से अंधे थे या नहीं, इस संबंध में विद्वानों में मतभेद है।

जीवन परिचय

महाकवि श्री सूरदास का जन्म 1478 ई में रुनकता क्षेत्र में हुआ। यह गाँव मथुरा-आगरा मार्ग के किनारे स्थित है। कुछ विद्वानों का मत है कि सूरदास का जन्म दिल्ली के पास सीही नामक स्थान पर एक निर्धन सारस्वत ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वह बहुत विद्वान थे, उनकी लोग आज भी चर्चा करते है। वे मथुरा के बीच गऊघाट पर आकर रहने लगे थे। सूरदास के पिता, रामदास बैरागी प्रसिद्ध गायक थे। सूरदास के जन्मांध होने के विषय में अनेक भ्रान्तिया है, प्रारंभ में सूरदास आगरा के समीप गऊघाट पर रहते थे। वहीं उनकी भेंट श्री वल्लभाचार्य से हुई और वे उनके शिष्य बन गए। वल्लभाचार्य ने उनको पुष्टिमार्ग में दीक्षित कर के कृष्णलीला के पद गाने का आदेश दिया। सूरदास की मृत्यु गोवर्धन के निकट पारसौली ग्राम में 1583 ईस्वी में हुई

सूरदास की जन्मातिथि एवं जन्मस्थान के विषय में विद्वानों में मतभेद है। ठसाहित्य लहरी' सूर की लिखी रचना मानी जाती है। इसमें साहित्य लहरी के रचना-काल के सम्बन्ध में निम्न पद मिलता है -

मुनि पुनि के रस लेख।

दसन गौरीनन्द को लिखि सुवल संवत् पेख?

इसका अर्थ संवत् 1607 ईस्वी में माना गया है, अतएव ठसाहित्य लहरी' का रचना काल संवत् 1607 वि0 है। इस ग्रन्थ से यह भी प्रमाण मिलता है कि सूर के गुरु श्री वल्लभाचार्य थे।

सूरदास का जन्म सं0 1540 ईस्वी के लगभग ठहरता है, क्योंकि वल्लभ सम्प्रदाय में ऐसी मान्यता है कि बल्लभाचार्य सूरदास से दस दिन बड़े थे और बल्लभाचार्य का जन्म उक्त संवत् की वैशाख् कृष्ण एकादशी को हुआ था। इसलिए सूरदास की जन्म-तिथि वैशाख शुक्ला पंचमी, संवत् 1535 वि0 समीचीन जान पड़ती है। अनेक प्रमाणों के आधार पर उनका मृत्यु संवत् 1620 से 1648 ईस्वी के मध्य स्वीकार किया जाता है। रामचन्द्र शुक्ल जी के मतानुसार सूरदास का जन्म संवत् 1540 वि0 के सन्निकट और मृत्यु संवत् 1620 ईस्वी के आसपास माना जाता है।

श्री गुरु बल्लभ तत्त्व सुनायो लीला भेद बतायो।

सूरदास की आयु ठसूरसारावली' के अनुसार उस समय 67 वर्ष थी। 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' के आधार पर उनका जन्म रुनकता अथवा रेणु का क्षेत्र (वर्तमान जिला आगरान्तर्गत) में हुआ था। मथुरा और आगरा के बीच गऊघाट पर ये निवास करते थे। बल्लभाचार्य से इनकी भेंट वहीं पर हुई थी। ठभावप्रकाश' में सूर का जन्म स्थान सीही नामक ग्राम बताया गया है। वे सारस्वत ब्राह्मण थे और जन्म के अंधे थे। ठआइने अकबरी' में (संवत् 1653 ईस्वी) तथा ठमुतखबुत-तवारीखठ के अनुसार सूरदास को अकबर के दरबारी संगीतज्ञों में माना है।

अष्टछाप के कवि का नाम है

सूरदास श्रीनाथ की ठसंस्कृतवार्ता मणिपालाठ, श्री हरिराय कृत ठभाव-प्रकाशठ, श्री गोकुलनाथ की ठनिजवार्ताठ आदि ग्रंथों के आधार पर, जन्म के अन्धे माने गए हैं। लेकिन राधा-कृष्ण के रूप सौन्दर्य का सजीव चित्रण, नाना रंगों का वर्णन, सूक्ष्म पर्यवेक्षणशीलता आदि गुणों के कारण अधिकतर वर्तमान विद्वान सूर को जन्मान्ध स्वीकार नहीं करते।

श्यामसुन्दर दास ने इस सम्बन्ध में लिखा है - ठसूर वास्तव में जन्मांध नहीं थे, क्योंकि शृंगार तथा रंग-रुपादि का जो वर्णन उन्होंने किया है वैसा कोई जन्मान्ध नहीं कर सकता।ठ डॉक्टर हजारीप्रसाद द्विवेदी ने लिखा है - ठसूरसागर के कुछ पदों से यह ध्वनि अवश्य निकलती है कि सूरदास अपने को जन्म का अंधा और कर्म का अभागा कहते हैं, पर सब समय इसके अक्षरार्थ को ही प्रधान नहीं मानना चाहिए।ठ

हिंदी काव्य

(1) सूरसागर - जो सूरदास की प्रसिद्ध रचना है। जिसमें सवा लाख पद संग्रहित थे। किंतु अब सात-आठ हजार पद ही मिलते हैं।

(2) सूरसारावली

(3) साहित्य-लहरी - जिसमें उनके कूट पद संकलित हैं।

(4) नल-दमयन्ती

(5) ब्याहलो

नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित हस्तलिखित पुस्तकों की विवरण तालिका में सूरदास के 16 ग्रंथों का उल्लेख है। इनमें सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी, नल-दमयन्ती, ब्याहलो के अतिरिक्त दशमस्कंध टीका, नागलीला, भागवत्, गोवर्धन लीला, सूरपचीसी, सूरसागर सार, प्राणप्यारी, आदि ग्रंथ सम्मिलित हैं। इनमें प्रारम्भ के तीन ग्रंथ ही महत्त्वपूर्ण समझे जाते हैं, साहित्य लहरी की प्राप्त प्रति में बहुत प्रक्षिप्तांश जुड़े हुए हैं।

साहित्य लहरी, सूरसागर, सूर की सारावली।

श्रीकृष्ण जी की बाल-छवि पर लेखनी अनुपम चली॥

सूरसागर का मुख्य वर्ण्य विषय श्री कृष्ण की लीलाओं का गान रहा है।

सूरसारावली में कवि ने जिन कृष्ण विषयक कथात्मक और सेवा परक पदों का गान किया उन्ही के सार रूप में उन्होंने सारावली की रचना की है।

सहित्यलहरी मैं सूर के दृष्टिकूट पद संकलित हैं।

सूरदास की काव्यगत विशेषताएँ

1. सूरदास के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के अनुग्रह से मनुष्य को सद्गति मिल सकती है। अटल भक्ति कर्मभेद, जातिभेद, ज्ञान, योग से श्रेष्ठ है।

2. सूर ने वात्सल्य, श्रृंगार और शांत रसों को मुख्य रूप से अपनाया है। सूर ने अपनी कल्पना और प्रतिभा के सहारे कृष्ण के बाल्य-रूप का अति सुंदर, सरस, सजीव और मनोवैज्ञानिक वर्णन किया है। बालकों की चपलता, स्पर्धा, अभिलाषा, आकांक्षा का वर्णन करने में विश्व व्यापी बाल-स्वरूप का चित्रण किया है। बाल-कृष्ण की एक-एक चेष्टा के चित्रण में कवि ने कमाल की होशियारी एवं सूक्ष्म निरीक्षण का परिचय दिया है-

मैया कबहिं बढैगी चौटी?

किती बार मोहिं दूध पियत भई, यह अजहूँ है छोटी।

सूर के कृष्ण प्रेम और माधुर्य प्रतिमूर्ति है। जिसकी अभिव्यक्ति बड़ी ही स्वाभाविक और सजीव रूप में हुई है।

3. जो कोमलकांत पदावली, भावानुकूल शब्द-चयन, सार्थक अलंकार-योजना, धारावाही प्रवाह, संगीतात्मकता एवं सजीवता सूर की भाषा में है, उसे देखकर तो यही कहना पड़ता है कि सूर ने ही सर्व प्रथम ब्रजभाषा को साहित्यिक रूप दिया है।

4. सूर ने भक्ति के साथ श्रृंगार को जोड़कर उसके संयोग-वियोग पक्षों का जैसा वर्णन किया है, वैसा अन्यत्र दुर्लभ है।

5. सूर ने विनय के पद भी रचे हैं, जिसमें उनकी दास्य-भावना कहीं-कहीं तुलसीदास से आगे बढ़ जाती है-

हमारे प्रभु औगुन चित न धरौ।

समदरसी है मान तुम्हारौ, सोई पार करौ।

6. सूर ने स्थान-स्थान पर कूट पद भी लिखे हैं।

7. प्रेम के स्वच्छ और मार्जित रूप का चित्रण भारतीय साहित्य में किसी और कवि ने नहीं किया है यह सूरदास की अपनी विशेषता है। वियोग के समय राधिका का जो चित्र सूरदास ने चित्रित किया है, वह इस प्रेम के योग्य है

8. सूर ने यशोदा आदि के शील, गुण आदि का सुंदर चित्रण किया है।

9. सूर का भ्रमरगीत वियोग-शृंगार का ही उत्कृष्ट ग्रंथ नहीं है, उसमें सगुण और निर्गुण का भी विवेचन हुआ है। इसमें विशेषकर उद्धव-गोपी संवादों में हास्य-व्यंग्य के अच्छे छींटें भी मिलते हैं।

10. सूर काव्य में प्रकृति-सौंदर्य का सूक्ष्म और सजीव वर्णन मिलता है।

11. सूर की कविता में पुराने आख्यानों और कथनों का उल्लेख बहुत स्थानों में मिलता है।

12. सूर के गेय पदों में ह्रदयस्थ भावों की बड़ी सुंदर व्यजना हुई है। उनके कृष्ण-लीला संबंधी पदों में सूर के भक्त और कवि ह्रदय की सुंदर झाँकी मिलती है।

13. सूर का काव्य भाव-पक्ष की दृष्टि से ही महान नहीं है, कला-पक्ष की दृष्टि से भी वह उतना ही महत्वपूर्ण है। सूर की भाषा सरल, स्वाभाविक तथा वाग्वैदिग्धपूर्ण है। अलंकार-योजना की दृष्टि से भी उनका कला-पक्ष सबल है। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ने सूर की कवित्व-शक्ति के बारे में लिखा है-

सूरदास जब अपने प्रिय विषय का वर्णन शुरू करते हैं तो मानो अलंकार-शास्त्र हाथ जोड़कर उनके पीछे-पीछे दौड़ा करता है। उपमाओं की बाढ़ आ जाती है, रूपकों की वर्षा होने लगती है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि सूरदास हिंदी साहित्य के महाकवि हैं, क्योंकि उन्होंने न केवल भाव और भाषा की दृष्टि से साहित्य को सुसज्जित किया, वरन् कृष्ण-काव्य की विशिष्ट परंपरा को भी जन्म दिया। (लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

आज का इतिहास 6 मई

1529 बंगाल के शासक नुसरत अली को बाबर ने जबर्दस्त शिकस्त दी.

1576 फ्रांस में पांचवां धर्मयुद्ध समाप्त हुआ.

1589 प्रसिद्ध गायक तानसेन का निधन.

1757 प्रसिया के शासक फ्रेडेरिक द्वितीय की फौजों ने प्राग में रोमन फौजों को शिस्कत दी.

1839 ब्रिटेन की संसद ने जमैका का संविधान निलंबित करने का प्रस्ताव पारित किया.

1856 प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड का जन्म हुआ.

1861 मोतीलाल नेहरू का जन्म हुआ.

1932 फ्रांस के राष्ट्रपति पाल डोमर की हत्या एक रूसी ने की.

1941 जोसेफ स्टालिन वी.एम. मोलोतोव के स्थान पर सोवियत संघ के प्रधानमंत्री बने.

1942 द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका और फिलीपींस की फौजों ने कारेगिडोर द्वीप पर जापानियों के समक्ष आत्मसमपर्ण किया.

1944 गांधीजी को पुणे के आगा खान पैलेस से रिहा किया गया.

1976 उत्तर,पूर्वी इटली में भूकम्प से एक हजार से अधिक लोग मारे गये.

1995 मुंबई नगरनिगम के उपायुक्त जी.आर.खैरनार को सेवा से बर्खास्त किया गया.

शब्द पहेली - 7277

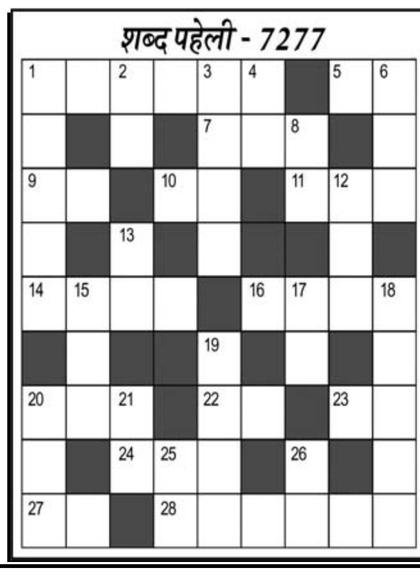

बाएँ से दाएँ

1. परिचय, जानना-2,4
5. वायु रोग-2
7. उत्साह, जिज्ञासा
9. कांटा, शूल
10. पिता, साधू-2
11. योद्धा जाति, राजपूत-3
14. थकान-4
16. मिसाल के तौर पर-4
20. ध्वजा, पताका-3
22. सीमा, बार्डर-2
23. बुरी आदत-2
24. समस्या, मुद्दा-3
27. जोर, दम, ताकत-2
28. दिखावटीपन, आडंबर, -3,3

ऊपर से नीचे

1. सीतापति, रामचंद्र-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. धोखेबाज, दगाबाज-4
4. नलका, टौंटी-2
6. पुत्र, लड़का-3
8. कमरा, रूम-2
12. तीनों काल-3
13. पार्थिव शरीर, लाश-2
15. कजरा, अंजन-3
17. सच्चाई, सच-2
18. सेंधमार-5
19. पुचकारना, हाथ फेरना-4
20. धोखा, दगा-3
21. जरा, थोड़ा-2
25. सभी, संपूर्ण-2
26. राजेश खन्ना व मुमताज की बेहतरीन फिल्म-2

शब्द पहेली -7276 का हल

	दा	न	व		अ	व	गे	ध
मा	न		ल	गा	म		ज	ड़
न		गा	य		र	बा		क
स	ला	ह	का	र		द	ह	न
	य		र		प		ल	
म	न	का		आ	तं	क	वा	द
द		म	य		ग	म		स्त
हो	श		शो	र	बा		ना	क
श	ह	जा	दा		जी	व	न	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

नडाल जीत के साथ ही तीसरे दौर में पहुंचे

मैड्रिड (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल ने मैड्रिड ओपन टेनिस में जीत के साथ ही तीसरे दौर में प्रवेश किया है। नडाल ने घरेलू कोर्ट पर अच्छी वापसी करते हुए मियोमीर केसमानोविच को सीधे सेट में 6-1 7-6 से हराया।

जीत के बाद नडाल ने कहा, 'चोट से वापसी के बाद मैं हमेशा काफी मैच खेलना चाहता हूं जिससे मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल कर सकूं।' उन्होंने कहा, 'मनोबल बढ़ाने के लिये मेरे लिये जीत दर्ज करना बहुत अहम है।'

इससे पहले एक अन्य मुकाबले में गत चैम्पियन एलेक्जैंडर ज्वेरेव ने भी मारिन सिलिच को 4-6 6-4 6-4 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया जहां उनका सामना अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा से होगा। वहीं एक अन्य मैच में स्टेफानोस सिटसिपास ने लुकास पौउली को और आठवें वरीय फेलिक्स ऑगर एलियासिमे ने क्रिस्टियन गारिन को हराया।

मुंबई को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी गुजरात

मुंबई (ईएमएस)। पहली बार आईपीएल खेल रही गुजरात टाइटन्स की टीम शुक्रवार को यहां होने वाले लीग मैच में पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी। गुजराज की टीम ने इस 15 वें सत्र में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और वह अंक तालिका में 10 मैचों में 16 अंक लेकर शीर्ष पर है। ऐसे में मुम्बई के खिलाफ मुकाबले में टीम जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। गुजरात को पिछले मैच में पंजाब किंग्स के हाथों आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसकी पांच मैचों में जीत की लय टूट गई थी जिसे वह इस मैच में शानदार जीत के साथ फिर हासिल करना चाहेगी। गुजरात ने अब तक लगातार जीत दर्ज की है पर उसकी बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी नजर आती है जिसका लाभ मुम्बई उठाना चाहेगी।

टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल अभी तक शीर्ष क्रम में उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। टीम की बल्लेबाजी कप्तान हार्दिक पंडया के अलावा डेविड मिलर, राहुल तेवतिया पर निर्भर रहेगी। निचले क्रम में राशिद खान भी आक्रामक बल्लेबाजी कर सकते हैं। युवा बी साई सुदर्शन ने पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था और वह इस मैच में भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। हार्दिक ने अब तक टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये हैं और वह इस मैच में भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे जबकि तेवतिया अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कभी भी मैच का रुख बदल सकते हैं। गुजरात टीम की ताकत उसका जबरदस्त गेंदबाजी आक्रमण है। उसके पास तेज गेंदबाजों के तौर पर मोहम्मद शमी, लॉकी फर्ग्यूसन, अल्जारी जोसफ जबकि स्पिनर के तौर पर राशिद खान हैं। पिछले मैच में शमी ने नई गेंद से विरोध टीम को परेशान किया था जबकि फर्ग्यूसन की अतिरिक्त तेजी के सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं रहता। राशिद भी गेंदबाजी में काफी किफायती रहे हैं पर इस मैच में उन्हे विकेट लेने होंगे।

दूसरी ओर देखा जाये तो मुंबई की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है और ऐसे में टीम पर कोई दबाव नहीं है। उसके खिलाड़ियों का लक्ष्य इस मैच में किसी भी प्रकार बेहतर प्रदर्शन कर बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपनी लय हासिल करना रहेगा। इंडियंस की टीम के लिए यह सत्र अच्छा नहीं रहा है और वह अंकतालिका में अंतिम स्थान पर है। कप्तान रोहित शर्मा ओर युवा ईशान किशन भी इस सत्र में बल्लेबाजी करते हुए रन नहीं बना पाये हैं। उनका लक्ष्य भी अपना फार्म हासिल करना रहेगा। वहीं युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने पूरे सत्र में अच्छा खेला है और वह एक और अच्छी पारी खेलकर भारतीय टीम के लिए अपनी दावेदारी पेश करना चाहेंगे। इसके अलावा सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है और वह इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेंगे। ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड भी इस सत्र में अबतक फ्लॉप रहे हैं , उनका इरादा भी बेहतर प्रदर्शन का रहेगा।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो मुम्बई के मुख्य गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी अपने नाम के अनुसार प्रभावी नहीं रहे हालांकि डेनियल सैम्स और रिले मेरेडिथ का बीच में प्रदर्शन अच्छा था पर पर इन दोनो में निरंतरता की कमी दिखी। कुल मिलाकर देखा जाये तो टीम की गेंदबाजी अपेक्षाकृत कमजोर है।

67.58 करोड़ रुपये में नीलाम हुई माराडोना की जर्सी

लंदन (ईएमएस)। महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना की जर्सी रिकार्ड 67.58 करोड़ रुपये में नीलाम हुई है। इसी के साथ ही यह जर्सी नीलामी में सबसे अधिक रकम हासिल करने वाली खेल से जुड़ी चीज बन गयी है। इस जर्सी के लिए समाप्त हुई नीलामी में 67.58 करोड़ रुपये (7.1 मिलियन पाउंड) मिले हैं। माराडोना ने इस जर्सी को 1986 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ क्वॉर्टर फाइनल मैच में पहना था। इस मैच में किये उनके गोल पर विवाद उठा था जिसे बाद में माराडोना ने 'हैंड ऑफ गॉड' गोल करार दिया।

इस मैच में माराडोना हेडर से गोल करना चाहते थे पर गेंद कथित तौर पर उनके हाथ से टकराकर गोल पोस्ट में चली गयी थी पर मैच रेफरी इसे देख नहीं पाये थे। नीलामीकर्ता सोथबाय ने कहा कि माराडोना की जर्सी के लिए रिकार्ड 7.1 मिलियन पाउंड की बोली लगी थी।

माराडोना ने बाद में कहा कि यह गोल 'माराडोना के सिर और भगवान के हाथ (हैंड ऑफ गॉड) के मिश्रण से हुआ था।

मैच के उनके दूसरे गोल को 2002 में फीफा के जनमत में 'सदी का सर्वश्रेष्ठ' गोल चुना गया था। अर्जेंटीना इस मैच को 2-1 से जीतने के बाद सेमीफाइनल और फाइनल में जीत दर्ज कर चैम्पियन बना था। इस मैच के बाद माराडोना ने इंग्लैंड के मिडफील्डर स्टीव हॉज के साथ जर्सी की अदला-बदली भी की थी। उन्होंने अब तक इसे कभी बेचा नहीं था। यह पिछले 20 वर्षों से मैनचेस्टर में इंग्लैंड के राष्ट्रीय फुटबॉल संग्रहालय में रखी थी।

न्यूजीलैंड टीम थॉमस कप फाइनल्स से हटी

वेलिंग्टन (ईएमएस)। कई खिलाड़ियों के कोरोना संक्रमित होने के कारण न्यूजीलैंड टीम आठ मई से बैंकाक में शुरू होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन फाइनल्स से बाहर हो गयी है। ऐसे में अब ग्रुप डी से अमेरिकी टीम भाग लेगी। विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा, ''टीम न्यूजीलैंड ने अपनी टीम के कई खिलाड़ियों के उपलब्ध नहीं होने के कारण बीडब्ल्यूएफ थॉमस कप फाइनल्स 2022 से नाम वापस ले लिया है। साथ ही कहा, ''टीम अमेरिका ने इसमें भाग लेने की पुष्टि की है और वह ग्रुप डी में जापान, मलेशिया और इंग्लैंड के साथ शामिल होगी।'' बैडमिंटन न्यूजीलैंड ने कहा कि कई खिलाड़ियों को जांच में कोविड-19 के लिए संक्रमित पाये जाने के बाद थॉमस कप से हटने का फैसला किया गया है। भारतीय पुरूष टीम अब ग्रुप सी में चीनी ताइपे, जर्मनी और कनाडा के साथ खेलेगी।

सीएसके टीम को प्लेऑफ में पहुंचने करना होगा चमत्कार

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के हाथों मिली हार के साथ ही सीएसके टीम के प्लऑफ में पहुंचने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। सीएसके को अभी 4 मैच और खेलने हैं। हालांकि चारों मैच जीतने की हालत में भी उसके कुल 8 अंक ही होंगे। इसके बाद सीएसके टीम के कुल 14 अंक हो पर आईपीएल अंक तालिका के अनुसार,किसी भी टीम को क्वालीफाई करने के लिए 16 अंकों की जरुरत होती है। ऐसे में 14 अंक मिलने की हालत में भी सीएसके टीम शायद ही प्लेऑफ में पहुंच पाये।

सीएसके को अपने शेष बचे चार मैच दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटन्स और राजस्थान रायल्स से खेलने हैं। ऐसे में आगे बाकी बचे सभी मैच जीतना भी उसके लिए संभव नजर नहीं आता है। आरसीबी के खिलाफ अगर टीम जीतती तो उसकी कुछ हद तक संभावनाएं थीं। वहीं हार के कारण उसकी राह असंभव हो गयी है अब कोई चमत्कार ही उसे आगे बढ़ा सकता है। इसके लिए उसे बचे हुए चारों मैचों में बड़े अंतर से जीत दर्ज करने के साथ ही रन रेट में भी सुधार करना होगा , साथ ही अन्य टीमों के हारने की उम्मीद करनी होगी।

मंधाना की शतकीय पारी के बाद भी हारी महाराष्ट्र टीम

सूरत (ईएमएस)। कप्तान स्मृति मंधाना की 84 रनों की शतकीय पारी के बाद भी भी महाराष्ट्र की टीम को सीनियर महिला टी20 टूर्नामेंट में रेलवे के हाथों सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए महाराष्ट्र ने मंधाना की 56 गेंदों में 84 रन की अर्धशतकीय पारी की सहायता से चार विकेट पर 160 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए रेलवे ने सलामी बल्लेबाज एस मेघना 52 रन और डी हेमलता 65 रनों की बदालत आसानी से यह लक्ष्य हासिल कर लिया। मंधाना ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज शिवाली शिंदे के साथ पहले विकेट के लिए 74 रन बटोरे। इसमें शिंदे के 30 रन थे।

वहीं रेलवे की ऑफ स्पिनर स्वागतिका रथ ने 33 रन देकर तीन विकेट जबकि कप्तान स्नेह राणा ने एक विकेट लिया। वहीं जीत के लिए मिले 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रेलवे की सलामी बल्लेबाज एस मेघना ने 52 रन की पारी खेली। वहीं डी हेमलता ने अर्धशतक लगाया। इसके बाद अंजलि सरवनी ने 26 और स्नेह राणा ने 06 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने 0.50 फीसदी ब्याज दर में किया इजाफा

नई दिल्ली (ईएमएस)। आसमान छूती महंगाई से त्राहि-त्राहि कर रहे अमेरिका को भी अंततः अपनी नीतिगत ब्याज दरों में बड़ा इजाफा करना पड़ा है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने बुधवार देर रात ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की वृद्धि कर दी है। यह पिछले 22 साल में सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। दरअसल, अमेरिका में खुदरा महंगाई दर 40 साल के उच्चतम स्तर पर है और केंद्रीय बैंक पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव भी काफी था। फेड रिजर्व के मुखिया जेरोम पॉवेल ने कहा, हमारा लक्ष्य बड़ी संख्या में रोजगार सृजन के साथ महंगाई दर को 2 फीसदी से नीचे बनाए रखना है। इसके लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी करना जरूरी हो गया था। अब ब्याज दर 0.75 फीसदी से 1 फीसदी की रेंज में आ गई हैं। यह 2020 में कोरोना महामारी के बाद सबसे अधिक ब्याज दर है।

पॉवेल ने कहा कि महंगाई दर को पूरी तरह काबू में लाने के लिए आगे ब्याज दरों में और बढ़ोतरी करनी होगी। संभव है कि अगले कुछ महीने में ब्याज दर 0.50 फीसदी दोबारा बढ़ाई जाए। हालांकि, हम एकसाथ 0.75 फीसदी या उससे ज्यादा की ब्याज दर बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं। हालिया बढ़ोतरी के बाद होम और मॉर्गेज लोन, ऑटो लोन और क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दरों में भी इजाफा हो जाएगा। बैठक के बाद जेरोम पॉवेल ने कहा, फेड रिजर्व कुछ ऐसा करना चाहता है, जिससे हमारी विकास दर की रफ्तार में बाधा न आए। लिहाजा ब्याज दरों को एक ऐसे स्तर पर लाने का प्रयास है, जहां महंगाई पर काबू पाने के साथ अर्थव्यवस्था की प्रगति में भी स्थिरता लाई जा सके। हमारा मानना है कि 2.4 फीसदी की ब्याज दर इस काम के लिए सबसे मुफीद है, जिसे इस साल के अंत तक हासिल करने की तैयारी है। दरअसल, ब्याज दरें बढ़ने से कर्ज महंगा होगा और लोगों की खर्च करने की क्षमता भी प्रभावित होगी। इसका सीधा असर विकास दर पर पड़ेगा, जो पहले ही कोरोना महामारी की वजह से दबाव में है।

फेड रिजर्व ने कहा, हम जल्द ही इपनी बैलेंस शीट को भी घटाएंगे जिस पर 90 खरब डॉलर का बोझ है। महामारी की वजह से फेड की बांड और ट्रेजरी होल्डिंग दोगुनी हो गई है। इससे छुटकारा पाने के लिए हर महीने 95 अरब डॉलर की बांड खरीद घटाई जाएगी। इससे पहले फेड रिजर्व ने लंबी अवधि के लिए मिलने वाले उधार की ब्याज दरों को घटाने के लिए खरबों डॉलर के बांड खरीद लिए थे।

फेड रिजर्व के अधिकारियों का कहना है कि हमारी कोशिश अभी पूरी नहीं हुई है और महंगाई बढ़ने का जोखिम भी बरकरार है। चीन में दोबारा कोविड-19 संक्रमण बढ़ने और रूस-यूक्रेन युद्ध से उपजे संकटों के कारण आने वाले दिनों में महंगाई और भड़क सकती है। अमेरिका के अलावा ऑस्ट्रेलिया, जापान, इंग्लैंड और भारत के केंद्रीय बैंकों ने भी अपनी-अपनी ब्याज दरों में बड़ी बढ़ोतरी की है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बुधवार को रेपो रेट में 0.40 फीसदी की बड़ी बढ़ोतरी की है, जिसका सीधा असर कर्ज लेने वाले ग्राहकों पर पड़ेगा।

16 मई को नेपाल की यात्रा पर जाने वाले पीएम मोदी

काठमांडू (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 मई को नेपाल की यात्रा पर जाने वाले हैं। अपनी संक्षिप्त यात्रा के दौरान वह भगवान बुद्ध के जन्मस्थान लुम्बिनी जाएंगे। नेपाली प्रधानमंत्री के प्रेस सलाहकार अनिल परियार के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी अपने नेपाली समकक्ष शेर बहादुर देउबा के निमंत्रण पर हिमालयी देश की यात्रा करने वाले हैं। अधिकारी ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर करीब एक घंटे की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पश्चिमी नेपाल स्थित लुम्बिनी जाएंगे। बता दें कि बुद्ध पूर्णिमा को भगवान बुद्ध की जयंती के तौर पर मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि साल 2019 में दूसरी बार निर्वाचित होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की ये पहली नेपाल यात्रा होगी।

आयोजन में नेपाली प्रधानमंत्री देउबा भी पीएम मोदी के साथ शिरकत करने वाले हैं। महामाया मंदिर में नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के साथ पूजा अर्चना करने वाले है। इसके अलावा बुद्ध स्मारक समारोह को भी संबोधित करने वाले हैं। नेपाल के रूपंदेही जिले में स्थित लुंबिनी सोनौली से मात्र 15 किलोमीटर की दूरी पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली से विशेष विमान से पहले कुशीनगर पहुंचकर इसके बाद कुशीनगर से लुंबिनी तक हेलीकॉप्टर से यात्रा कर और करीब 2 घंटे नेपाल में रहने वाले हैं। ध्यान रहे कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने अब तक प्रधानमंत्री मोदी की नेपाल यात्रा की आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

फ्रांस ने दोस्ती का फर्ज निभाया, यूएनएससी व एनएसजी में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस और भारत के रिश्तों का प्रगाढ़ता उस समय फ दिखाई दी जब उससे मित्रता का वादा निभाते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और उसमें भारत की स्थायी सदस्यता तथा परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) में भारत की सदस्यता संबंधी प्रयास का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। भारत लंबे वक्त से सुरक्षा परिषद में सुधार करने की मांग कर रहा है और उसका कहना है कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का हकदार है। सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं। विश्व निकाय में दस अस्थाई सदस्य हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा दो वर्ष के लिए चुनती है। रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस तथा अमेरिका इसके स्थायी सदस्य हैं।

बुधवार को जारी एक संयुक्त बयान में भारत और फ्रांस जी-20 के मसौदे के तहत मजबूत सहयोग बनाए रखने पर सहमत हुए और फ्रांस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के साथ ही एनएसजी में भी भारत को शामिल करने को लेकर अपना समर्थन दोहराया। भारत ने कहा कि वह एनएसजी में शामिल होने के अपने प्रयासों को किसी निर्णय तक पहुंचाने के लिए सदस्य देशों के साथ बातचीत कर रहा है। एनएसजी में 48 देश हैं जो परमाणु प्रौद्योगिकी और सामग्री के व्यापार एवं हस्तांतरण को नियंत्रित करने के साथ साथ परमाणु हथियारों के अप्रसार में भी सहयोग करते हैं। चीन एनएसजी में भारत के शामिल होने का विरोध करता है। उसका तर्क है कि भारत ने परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। चीन के विरोध ने भारत के समूह में शामिल होने की राह को कठिन बना दिया है, क्योंकि एनएसजी सहमति के सिद्धांत पर चलता है।

गौरतलब है कि बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर गहन चर्चा की और दोनों नेता भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के अगले चरण के लिए महत्वाकांक्षी एजेंडा तैयार करने पर सहमत हुए। प्रधानमंत्री मोदी यूरोप के तीन देशों की यात्रा के आखिरी पड़ाव पर डेनमार्क से बुधवार को पेरिस पहुंचे और उन्होंने मैक्रों के साथ अनेक मुद्दों पर गहन वार्ता की। मैक्रों एक सप्ताह पहले ही इस पद पर दोबारा चुने गए हैं।

ओमिक्रॉन संक्रमण रोकने बीजिंग में कई प्रतिबंध लागू, अधिकांश मेट्रो और बस सेवाएं ठप

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में कोरोना का ओमिक्रॉन वेरिएंट कोहराम मचाएं है। राजधानी बीजिंग में ओमिक्रॉन के संक्रमण पर रोक लगाने के लिए कई प्रतिबंध लागू किए हैं। बीजिंग प्रशासन ने बुधवार को स्कूलों के बंद रहने की अवधि एक सप्ताह और बढ़ाने के अलावा कई मेट्रो स्टेशन, रेस्तरां और कारोबार को बंद करने का आदेश दिया। करीब 2.1 करोड़ की आबादी वाले इस शहर में लोगों की प्रतिदिन कोविड-19 जांच के आदेश दिये गये हैं। गौरतलब है कि कोविड-19 के अत्यंत संक्रामक स्वरूप ओमीक्रोन के कहर के कारण चीन की वाणिज्यिक राजधानी शंघाई एक महीने से ज्यादा समय तक ठहर सी गई थी।

बीजिंग में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 के 53 नये मामले दर्ज किये गये, जिससे महामारी के मरीजों की कुल संख्या शहर में 500 से ज्यादा हो गई। इसके मद्देनजर वायरस के प्रसार पर रोक लगाने के लिए कई कड़े कदम उठाये गये और एहतियात के तौर पर स्कूलों को बंद रखने की अवधि को एक और हफ्ते तक बढ़ा दिया गया। राजधानी में बुधवार को 40 सबवे स्टेशन (कुल सब-वे का 10 फीसदी) और 158 बस मार्ग बंद रहे। स्थगित की गईं अधिकतर सेवाएं और पाबंदी से प्रभावित स्टेशन चाओयांग जिले में हैं। आधिकारिक मीडिया ने बताया कि बीजिंग में सभी किंडरगार्टन, प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों और माध्यमिक व्यावसायिक विद्यालयों ने 11 मई तक, एक और सप्ताह के लिए कक्षाएं स्थगित कर दी हैं। बीजिंग प्रशासन ने कहा कि विद्यार्थी स्कूलों में कब लौटेंगे, यह कोविड-19 संक्रमण की स्थिति पर निर्भर करेगा।जिन लोगों को वास्तव में बीजिंग छोड़ने की आवश्यकता है, उन्हें विमान या ट्रेन में सवार होने से पूर्व, 48 घंटे के भीतर एक न्यूक्लिक एसिड जांच का निगेटिव प्रमाणपत्र और एक ग्रीन हेल्थ कोड प्रस्तुत करना होगा। शंघाई एक महीने से अधिक समय से बंद है। वहां लगातार 13वें दिन कोविड संक्रमितों की संख्या में गिरावट आई है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर में बताया गया है कि शहर ने पिछले 24 घंटों में किए गए परीक्षणों के आधार पर बुधवार को 4,982 मामले दर्ज किए, जिससे अब तक संक्रमण के कुल पुष्ट मामलों की संख्या 5,80,000 से अधिक हो गई है। हालांकि यह संख्या बीजिंग में केवल 500 से थोड़ी अधिक है।

मुनाफा वसूली से शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को मुनाफा वसूली हावी रही जिससे बाजार ने शुरुआती बढ़त गंवा दी और वह कारोबार के अंत में सपाट बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 897.77 अंक करीब 1.61 फीसदी ऊपर आकर 56,566.80 पर पहुंच गया था पर बाद में उसने अपनी अधिकतर बढ़त खो दी और 0.06 फीसदी करीब 33.20 अंक ऊपर आकर 55,702.23 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 5.05 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी की हल्की तेजी के साथ ही 16,682.65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नालॉजीज, टाटा स्टील, विप्रो, आईटीसी, एचडीएफसी, टीसीएस, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बढ़े जबकि दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व और टाइटन के शेयरों में गिरावट आई। वहीं गत दिवसा बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ था।

19.3 करोड़ लोगों को 2021 में रोजाना पर्याप्त भोजन नहीं मिला

रोम (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है, इस तरह के लोगों की संख्या पिछले साल सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिन्हें रोजाना पर्याप्त भोजन नहीं मिला। विश्व निकाय के मुताबिक, यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध की वजह से वैश्विक खाद्य उत्पादन प्रभावित होने से यह स्थिति और भयावह हो रही है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि 53 देशों में लगभग 19.3 करोड़ लोगों को 2021 में खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा और यह स्थिति संघर्ष, असामान्य मौसम और कोरोना वैश्विक महामारी के आर्थिक प्रभावों की ''तिहरी मार'' के कारण उत्पन्न हुई। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि पिछले साल पर्याप्त भोजन ना पाने वाले लोगों की संख्या में करीब चार करोड़ की वृद्धि हुई, जो पिछले कुछ वर्षों से ऐसी बढ़ती संख्या को दर्शाती है, जो चिंताजनक है। खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन, विश्व खाद्य कार्यक्रम और यूरोपीय संघ द्वारा संयुक्त रूप से इस रिपोर्ट को तैयार किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान, कांगो, इथियोपिया, नाइजीरिया, दक्षिण सूडान, सीरिया और यमन सहित लंबे संघर्षों का सामना करने वाले देशों में पर्याप्त भोजन से वंचित लोगों की संख्या अधिक रही। रिपोर्ट में अनुमान जाहिर किया गया है, कि लंबे समय तक सूखे, खाद्य कीमतों में वृद्धि और लगातार हिंसा के कारण सोमालिया को 2022 में दुनिया के सबसे खराब खाद्य संकट के दौर का सामना करना पड़ेगा। संयुक्त राष्ट्र ने कहा, आज, अगर ग्रामीण समुदायों की मदद करने के लिए और अधिक कदम नहीं उठाए गए, तब भुखमरी तथा आजीविका संकट भयावह स्तर पर पहुंच जाएगा। ऐसी स्थिति से बचने के लिए बड़े पैमाने पर तत्काल मानवीय दृष्टिकोण को अपनाते हुए कार्रवाई की आवश्यकता है।''

यूक्रेन में युद्ध सोमालिया तथा कई अन्य अफ्रीकी देशों के लिए और अधिक संकट पैदा कर रहा है क्योंकि गेहूं, उर्वरक और अन्य खाद्य आपूर्ति के लिए ये देश यूक्रेन और रूस पर निर्भर हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के मुख्य अर्थशास्त्री आरिफ हुसैन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी का अनुमान है कि यूक्रेन में युद्ध के कारण खाद्य पदार्थों व ईंधन की बढ़ती कीमतों और मुद्रास्फीति के परिणामस्वरूप 4.7 करोड़ और लोगों को खाद्य संकट का सामना करना पड़ सकता है।

पेटीएम से गैस सिलेंडर बुक करने पर मिलेंगे कई फायदे

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेटीएम अपने ग्राहकों को गैस सिलेंडर बुक कराने पर कई ऑफर दे रहा है। इनमें फ्री गैस बुकिंग से लेकर कैश बैक तक शामिल है। पेटीएम के ग्राहक देश के लगभग सभी कंपनियों जैसे इंडेन, भारत गैस और एचपी के सिलेंडर बुक करके ऑफर्स का फायदा उठा सकते हैं। पेटीएम ने अपने सभी ग्राहकों को फ्री में गैस सिलेंडर बुक करने की सुविधा प्रदान करने का ऐलान किया है। पेटीएम का कहना है कि उपभोक्ता पेटीएम से किसी भी कंपनी का गैस सिलेंडर फ्री में बुक कर सकता है। इसके लिए पेटीएम यूजर को कूपन कोड फ्रीगैस का प्रयोग करना होगा। इसके अलावा कंपनी पेटीएम के नए यूजर्स को गैस सिलेंडर बुकिंग पर कैश बैक भी दे रही है । कंपनी का कहना है कि पेटीएम के नए ग्राहक एक सिलेंडर बुक करते हैं तो उन्हें 30 रुपए का कैश बैक दिया जाएगा । इस कैश बैक को प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रोमो कोड फर्स्ट??सिलेंडर का प्रयोग करना होगा। इसके अलावा पेटीएम पोस्टपेड के नाम से मशहूर पेटीएम नाउ पे लेटर सर्विस में रजिस्टर करके ग्राहक अगले महीने सिलेंडर बुकिंग के लिए भी पेमेंट कर सकते हैं।

भारतीय-अमेरिकी रिचर्ड वर्मा को खुफिया सलाहकार बोर्ड में शामिल करने के इच्छुक राष्ट्रपति बाइडेन

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतीय-अमेरिकी रिचर्ड वर्मा को अपने खुफिया सलाहकार बोर्ड में शामिल करने की इच्छा जाहिर की है। व्हाइट हाउस ने इसकी जानकारी दी। राष्ट्रपति का खुफिया सलाहकार बोर्ड उनके शासकीय कार्यालय में एक स्वतंत्र निकाय है। वर्मा अभी 'जनरल काउंसिल' और 'ग्लोबल पब्लिक पॉलिसी फॉर मास्टरकार्ड' के प्रमुख हैं। इस पद पर रहकर वह अमेरिका और दुनिया भर में कंपनी के कानून और नीति संबंधी कार्यों का जिम्मा संभालते हैं। व्हाइट हाउस ने कहा, उन्होंने पहले भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्य किया, जहां उन्होंने सबसे बड़े अमेरिकी राजनयिक मिशन में से एक का नेतृत्व कर द्विपक्षीय संबंधों में ऐतिहासिक प्रगति पर भी जोर दिया।''

सीनेट के बहुमत नेता के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार वर्मा पूर्व में अमेरिकी वायु सेना में भी सेवाएं दे चुके हैं। उन्हें कई सैन्य और नागरिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें 'मेरिटोरियस सर्विस मेडल' और विदेश मंत्रालय का 'डिस्टिंगुइश्ड सर्विस अवार्ड' शामिल हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार, एडमिरल (सेवानिवृत्त) जेम्स ए. 'सैंडी' विन्नेफेल्ड को राष्ट्रपति के खुफिया सलाहकार बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। गिलमैन जी. लुई और जेनेट ए. नेपोलिटानो को बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

रुस के बाद अमेरिका का महाविनाश प्लेन आसमान में उड़ता दिखाई दिया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन में चल रहे भीषण युद्ध के बीच रूस के महाविनाश के प्लेन को उड़ाने के बाद अब अमेरिका का भी परमाणु तबाही मचाने वाला प्लेन अलर्ट मोड पर आ गया है। अमेरिका के महाविनाश के प्लेन को एक्शन के लिए तैयार हालत में देखा गया है। इससे पहले रूस ने अपने महाविनाश के प्लेन को मास्को के आकाश में उड़ाया था। अमेरिका का ई-4बी नाइटवॉच प्लेन युद्ध के सूरत में हवा में कमांड सेंटर के रूप में काम करता है। इसके जरिए अमेरिकी राष्ट्रपति दुनिया में कहीं भी परमाणु हमला करने का आदेश दे सकते हैं। ई-4 बी नाइटवॉच प्लेन को दक्षिणी कैलिफोर्निया में तेल भरते देखा गया है। अमेरिका के 418वीं फ्लाइट टेस्ट स्क्वाड्रन के टेस्ट पायलट और कर्मचारी एडवर्ड एयरफोर्स बेस कैलिफोर्निया में तेल भरते हुए देखा गया है। बोइंग कंपनी का ई-4 एडवांस्ड एयरबॉर्न कमांड पोस्ट रणनीतिक कमांड और कंट्रोल मिलिट्री एयरक्राफ्ट है, जिसका संचालन अमेरिकी वायुसेना करती है। इससे पहले रूस इल्यूशिन आईएल-80 विमान बहुत निचली उड़ान भरते देखा गया था। रूस का यह विमान उस समय पर हवा में देखा गया है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर परमाणु हमले का खतरा मंडरा रहा है।

रूसी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है, कि आईएल-80 विमान को रूस के विक्ट्री डे पर प्रदर्शित किया जाएगा। इस रूसी विमान का वीडियो अभ्यास का बताया जा रहा है। पिछले सप्ताह अमेरिकी महाविनाश का प्लेन ब्रिटेन के आकाश में दिखाई दिया था। यह अमेरिकी सेना का कमांड सेंटर है, और परमाणु हमला होने की सूरत में राष्ट्रपति, रक्षामंत्री और सेना प्रमुख इसमें सवार होकर अमेरिकी परमाणु हथियारों को नियंत्रित कर सकते हैं। इसमें अत्याधुनिक संचार उपकरण लगे हैं जिसके जरिए सीधे अमेरिकी सेना से संपर्क किया जा सकता है।

यही नहीं अमेरिकी महाविनाश के प्लेन ई-4बी को इलेक्ट्रोमैग्नेटिक किरणों के प्रभाव से भी सुरक्षा हासिल है। इसमें कई तरह के इलेक्ट्रानिक और अन्य संचार उपकरण लगाए गए हैं। इसे उपग्रह से सीधे जोड़ा गया है, ताकि दुनिया में किसी भी नेता से अमेरिकी राष्ट्रपति हवा में रहते हुए भी सीधे बातचीत कर सकें। इसमें एक भी खिड़की नहीं होती है ताकि परमाणु हमले का असर न पड़े। रूस का विमान भी कुछ इसी तरह की ताकत से लैस है और परमाणु हमले की स्थिति में पुतिन को सुरक्षा मुहैया कराता है।

सोना महंगा, चांदी 64 हजार

नई दिल्ली (ईएमएस)। वै?श्विक बाजारों में गुरुवार को सोना महंगा हो गया और चांदी की कीमतें में बढ़ गई क्योंकि फेडरल रिजर्व ने मुद्रास्फीति से निपटने के लिए ब्याज दरों में 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी की, जिसे अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम के रूप में उजागर किया, जबकि वर्ष के लिए बढ़ी बढ़ोतरी को भी खारिज कर दिया। दरअसल, बीते दिनों से जारी कीमती धातुओं के भाव में गिरावट गुरुवार को थम गई और इनमें जोरदार बढ़त दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर जहां सोने की कीमत 1.07 फीसदी बढ़ गई, वहीं दूसरी ओर चांदी के दाम में भी 2.48 फीसदी की तेजी आई है। इस बढ़ोतरी के बाद सोने का भाव बढ़कर 51,151 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी की कीमत 63,654 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है। आप अपने शहर सोने की कीमत मोबाइल पर भी चेक कर सकते हैं। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक आप सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर प्राइस चेक कर सकते हैं।

घाटे में चल रही एक और कंपनी का अधिग्रहण करेगा टाटा समूह

- एनआईएनएल का अधिग्रहण जून 2022 के आ?खिरी तक पूरा होने की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा समूह घाटे में चल रही सरकारी एयरलाइंस एयर इंडिया को खरीदने के बाद अब घाटे में चल रही एक और सरकारी कंपनी का अधिग्रहण करने जा रही है। यह अधिग्रहण जून 2022 के आ?खिरी तक पूरा होने की उम्मीद है। सरकारी स्टील कंपनी नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) का अधिग्रहण टाटा समूह की स्टील कंपनी टाटा स्टील करेगी। टाटा स्टील के सीईओ एवं एमडी टीवी नरेंद्रन ने यह जानकारी दी है। टाटा स्टील ने 31 जनवरी, 2022 को एनआईएनएल की 93.71 फीसदी हिस्सेदारी 12,100 करोड़ रुपए में खरीदने की बोली जीतने की घोषणा की थी। नरेंद्रन ने कहा कि एनआईएनएल का अधिग्रहण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में पूरा हो जाएगा। कंपनी अपने ज्यादा कीमत वाले खुदरा व्यापार को विस्तार देने के लिए तेजी से इस प्रक्रिया को पूरा करेगी। यह सरकारी कंपनी भारी घाटे में चल रही है। कंपनी पर पिछले साल 31 मार्च तक 6,600 करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज और देनदारियां थीं। इसमें प्रमोटरों का 4,116 करोड़ रुपये, बैंकों का 1,741 करोड़ रुप, एवं अन्य लेनदारों और कर्मचारियों का भारी बकाया शामिल है! 31 मार्च, 2021 तक कंपनी का संचित घाटा 4,228 करोड़ रुपए था। टाटा स्टील के लिए एनआईएनएल का अधिग्रहण एक बड़े प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो को तैयार करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। एनआईएनएल चार केंद्रीय सार्वजनिक उद्यम (सीपीएसई) और ओडिशा सरकार के दो सार्वजनिक उपक्रमों का संयुक्त उद्यम है। ओडिशा के कलिंगनगर में इसका 11 लाख टन क्षमता वाला एक इंटीग्रेटेड प्लांट है। भारी घाटे की वजह से यह प्लांट 30 मार्च, 2020 से बंद है।

आईटी लीडर ऑफ द ईयर' से सम्मानित दो भारतीय-अमेरिकी

वाशिंगटन (ईएमएस)। भारतीय-अमेरिकी 'टेक्नोक्रेट (तकनीकतंत्री) कृष्णा कुमार एदाथिल और निखिल देशपांडे को 'स्टेटस्कूप टॉप 50 अवाड्र्स 2022 की सूची में शामिल है। 'स्टेटस्कूप 50 अवाड्र्स के तहत सरकार को अधिक कुशल और प्रभावी बनाने वाले प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित किया जाता है। टेक्सास के रहने वाले एदाथिल को 'स्टेट आईटी लीडर ऑफ द ईयर' और जॉर्जिया के देशपांडे को 'स्टेट लीडरशिप ऑफ द ईयर' घोषित किया है। इसबारे में इसी सप्ताह घोषणा की गई। एदाथिल, टेक्सास सूचना संसाधन विभाग (डीआईआर) की एंटरप्राइज सॉल्यूशन सर्विसेज के निदेशक हैं। उन्होंने राज्य में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की शुरुआत की। उभरती प्रौद्योगिकियों में उनके बहुमूल्य योगदान के कारण ही उन्हें सम्मानित किया गया है।

एदाथिल ने कहा, यह पुरस्कार 'टेक्सास टाइगर टीम' अभियान के माध्यम से क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में की गई प्रौद्योगिकी प्रगति को मान्यता देता है। वहीं, निखिल देशपांडे लंबे समय से जॉर्जिया के मुख्य डिजिटल अधिकारी हैं। उन्होंने राज्य की सोशल मीडिया पर पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देशपांडे की टीम इन दिनों अपनी डिजिटल सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई एजेंसियों के साथ काम कर रहे है।

एक मृत घोषित महिला दफनाने से पहले हो गई जिंदा

लीमा (ईएमएस)। पेरू में एक हैरानी में डाल देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मृत घोषित की महिला दफनाने से ठीक पहले जिंदा हो गई। महिला की शोकसभा में शामिल हुए लोग ये नजारा देख कर हैरान रह गए। पेरू के लम्बेयेक शहर में महिला की शोकसभा चल रही थी और उसे दफनाने के लिए ले जाया जा रहा था। तभी ताबूत के अंदर से आवाज आनी शुरू हो गई। ताबूत को अंदर से महिला ने ठोकना शुरू कर दिया। एक भयानक सड़क हादसे के बाद रोजा इसाबेल को मृत घोषित कर दिया गया था। इसी दुर्घटना में उसके बहनोई की भी मौत हो गई थी। उसके तीन भतीजे इस हादसे में बुरी तरह घायल हुए हैं। दुर्घटना के बाद अंतिम संस्कार के लिए रोजा को ताबूत में रखा गया था। यहां से उसे दफनाने के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन लोगों के होश तब उड़ गए जब उन्हें ताबूत के अंदर से आवाज सुनाई दी। ताबूत को कंधे पर उठाए उसके रिश्तेदारों ने तुरंत उसे नीचे उतारा और उसका ढक्कन खोला। ताबूत का ढक्कन जब खुला तो हर कोई हैरान रह गया। उन्होंने पाया कि महिला जिंदा है। कब्रिस्तान के केयर टेकर का कहना है ?कि महिला की आंखें खुली हुई थी। वह पूरी तरह पसीने से भीगी हुई थी, जिसके बाद मैं दौड़ कर गया और पुलिस को फोन किया। महिला को उसके परिवार वाले ताबूत समेत लांबायेक के रेफरेंशियल अस्पताल फेरेनाफे ले गए, जहां उसका इलाज जारी है। रोजा को लाइफ सपोर्ट पर रखा गया है। वहीं, इस घटना के बाद से उसके परिजनों में नाराजगी है। वह उच्चाधिकारियों से सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर उसे पहले मृत क्यों घोषित कर दिया गया था।

सेवा क्षेत्र की गतिविधियां पांच महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। कारोबारी गतिविधियों में तेजी और उससे रोजगार में नए सिरे से बढ़ने से सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में सुधार आया है और अप्रैल में यह पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। मौसमी रूप से समायोजित एसऐंडपी ग्लोबल इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अप्रैल में बढ़कर 57.9 पर पहुंच गया। मार्च में यह 53.6 पर था जो बढ़ती कीमतों के दबाव के बावजूद नवंबर के बाद से विस्तार की सबसे तेज दर दर्शाता है। यह लगातार नौंवा महीना है जब सेवा क्षेत्र में उत्पादन में विस्तार देखा गया है। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) 50 से ऊपर गतिविधियों में तेजी को सूचित करता है जबकि 50 से नीचे गिरावट को बताता है। एसऐंडपी ग्लोबल की इकनॉमिक्स एसोसिएट निदेशक पॉलिएना डि लीमा ने कहा ?कि सेवा क्षेत्र के लिए पीएमआई आंकड़े ज्यादातर उत्साजनक हैं, वहीं मांग बढ़ने से नए कारोबारी प्रवाह और उत्पादन को मजबूती मिली। सर्वे में कहा गया कि निर्माण लागत के रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बावजूद भारतीय सेवा क्षेत्र में वृद्धि की रफ्तार लगातार बनी हुई है। बिक्री मूल्य जुलाई 2017 के बाद से सबसे तेज दर से बढ़ा है और मुद्रास्फीति बढ़ने से उपजी चिंताओं से कारोबारी भरोसा भी डगमगा रहा है। रोजगार के मोर्चे पर कंपनियों ने अप्रैल में भर्ती जारी रखी और नंवबर के बाद से रोजगार में पहली बार वृद्धि हुई है। जिन कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मियों को काम पर रखा उन्होंने कहा कि इसकी वजह नए कारोबार में जारी वृद्धि है। इस बीच समग्र पीएमआई उत्पादन सूचकांक मार्च के 54.3 से बढ़कर अप्रैल में 57.6 हो गया जो बीते पांच महीनों में सबसे तेज वृद्धि को दर्शाता है।

वर्ष 2021 में 78 प्रतिशत भारतीय कंपनियां रैन्समवेयर का शिकार हुईः रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। वर्ष 2021 में करीब 78 प्रतिशत भारतीय कंपनियां रैन्समवेयर का शिकार बनीं और इसमें से कुछ ने अपने डेटा को वापस पाने के लिए 76 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की। साइबर सुरक्षा कंपनी सोफोस की रिपोर्ट के अनुसार रैन्समवेयर का शिकार बनने के बाद अपने डेटा को वापस पाने के लिए औसतन भारतीय कंपनियों ने नौ करोड़ रुपए का भुगतान किया जबकि दस 10 प्रतिशत कंपनियों को दस लाख डॉलर या उससे अधिक पैसे खर्च करने पड़े। कंपनी ने अपने सर्वेक्षण में पाया कि रैन्समवेयर की चपेट में आने वाली 48 प्रतिशत भारतीय कंपनियों ने पांच हजार डॉलर का भुगतान किया। वहीं सर्वेक्षण में तीन कंपनियों ने स्वीकार किया कि उन्हें अपना डेटा वापस पाने के लिए एक करोड़ डॉलर या उससे से अधिक का खर्च करना पड़ा।

टिवटर के इस्तेमाल के लिए देने पड़ सकते हैं पैसे

एलन मस्क ने किया इशारा

वाशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया की सबसे बड़ी माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर इनदिनों सभी के लिए फ्री है। लेकिन जल्द ही इसमें बड़ा बदलाव आने वाला है। यानी हो सकता है कि ट्विटर के इस्तेमाल के लिए कुछ लोगों को फीस के तौर पर पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। इसके संकेत टेस्ला के सीईओ और ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने दी है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट किया कि अनौपचारिक उपयोगकर्ताओं यानी कि कैज्युअल यूजर्स के लिए, ट्विटर हमेशा मुफ्त रहेगा, लेकिन कॉमर्शियल और सरकारी यूजर्स को चार्ज देना पड़ सकता है।

इसकी जानकारी मस्क ने एक ट्वीट के द्वारा दी है। बता दें कि शुल्क-आधारित सदस्यता के विचार के लिए ट्विटर बिल्कुल नया नहीं होगा और ट्विटर ब्लू इससे पहले से कई देशों में अपने यूजर्स को ये सुविधा दे रहा है। ट्विटर ब्लू बहुत ही कम शुल्क पर अपने यूजर्स को प्रीमियम सुविधा देता आया है। ट्विटर ब्लू आईओएस, एंड्रॉइड और वेब के लिए यूएस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में ट्विटर पर उपलब्ध है।

हालांकि मस्क ने कहा है कि कुछ कीमत चुकानी पड़ सकती है। यानी कि अभी एलन ने खुद ही इस विचार को संभावना की श्रेणी में रखा है। बता दें कि कुछ समय पहले ही मस्क ने 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर को खरीदा था। वहीं खरीद के बाद सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। एक तरफ जहां डील से खुश थे, तब वहीं कुछ लोग नाखुश नजर आए। सोशल मीडिया पर मस्क अपनी इस डील को लेकर कई दिनों तक सुर्खियों में बने रहें।

बता दें कि अमेरिका के एक पूर्व राष्ट्रपति सहित कई लोग हैं, जिन्हें ट्विटर से प्रतिबंधित किया गया था, लेकिन माइक्रोब्लॉगिंग साइट के लिए एलन मस्क की 44 अरब डॉलर की पेशकश को यदि मंजूरी दे दी जाती है,तब उन लोगों पर लगा प्रतिबंध जल्द ही हट सकता है। विश्व के सबसे धनी व्यक्ति एलन मस्क खुद को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के समर्थक बताते हैं, जो सोशल मीडिया मंच पर किसी भी ऐसी सामग्री को अनुमति देने में विश्वास करते हैं जो कानून का उल्लंघन नहीं करती है।

बौखलाए इमरान बोले- जब मेरी सरकार गिरी तब भारत में खुशी की लहर थी

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के अपदस्थ पीएम इमरान खान सत्ता गंवाने के बाद लगातार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके सहयोगियों पर हमलावर रहे हैं। अब इमरान ने भारत पर भी हमला करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा है कि उनकी सरकार जाने के बाद भारत में खुशी का माहौल था। वहां की मीडिया ने जश्न मनाया। इजरायल के अंदर खुशियां मनाई गईं। पश्चिमी देशों ने इसे एक सत्ता परिवर्तन बताया और ये सभी पाकिस्तानी फौज के खिलाफ हैं। हम न्यूज पर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने दावा किया कि विपक्ष कई कंपनियों के जरिए उनका चरित्र हनन करना चाहती है। इमरान की ओर से ये बात तब कही गई जब हाल ही में उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ ने अपने समर्थकों को 'डीप फेक' के बारे में आगाह किया है। इसमें बताया गया है कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए किसी भी व्यक्ति का फर्जी वीडियो बनाया जा सकता है और उसे कुछ भी बोलता हुआ दिखाया जा सकता है।

इमरान ने कहा, 'मुझे माफियाओं का सामना करना पड़ता है। इनमें से सबसे बड़ा माफिया शहबाज शरीफ है। ये लोग हमेशा व्यक्तिगत स्तर पर हमला करते हैं, क्योंकि वे पिछले 35 सालों से भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। अगर कोई उनके भ्रष्टाचार पर उंगली उठाए तो वे लोग उस पर व्यक्तिगत हमला शुरू कर देते हैं।' उन्होंने कहा कि उनकी एक्स वाइफ जेमिमा गोल्डस्मिथ को भी पहले यहूदी लॉबी का हिस्सा बता कर टारगेट किया गया था।

इमरान खान ने इंटरव्यू के दौरान कहा, 'मेरी सरकार जाने के बाद सबसे ज्यादा खुशी भारत में थी। भारतीय मीडिया ने जश्न मनाया था। दूसरे नंबर पर इजरायल सबसे ज्यादा खुश था। जितने लोग खुश थे सब पाकिस्तानी फौज के खिलाफ हैं। इजरायल धार्मिक लिहाज से चाहता है कि हमारी फौज कमजोर हो। इजरायल चाहता है कि उसके आसपास के देशों को ईरान की तरह कमजोर किया जाए। ये सभी सिर्फ इसलिए खुश हैं, क्योंकि पीटीआई इकलौती नेशनल पार्टी है और वही सत्ता से बाहर हो गई है। वे जानते हैं कि पाकिस्तान को कमजोर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि फेडरेशन और पाकिस्तानी फौज को कमजोर किया जाए।'

ग्रीष्मा के हत्यारे फेनिल को सजा ए मौत, 69 दिनों में सूरत की कोर्ट ने सजा सुनाई

सूरत (ईएमएस)ं सूरत की कोर्ट ने शहर के पासोदरा में गत फरवरी महीने में सरेआम ग्रीष्मा वेकरिया की गला रेत कर हत्या करने वाले फेनिल गोयाणी को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई हैं साथ ही 5000 रुपए का जुर्माने का आदेश दिया हैं बचाव पक्ष के वकील ने अपने मुवक्कील को कम से कम सजा देने की काफी दलील दी, परंतु न्यायधीश ने इसे रेरेस्ट और रेर केस बताते हुए आरोपी को मृत्युदंड का आदेश दिया हैं बता दें कि घटना 12 फरवरी 2022 की जब एकतरफा प्यार में पागल फेनिल गोयाणी ने 20 वर्षीय ग्रीष्मा वेकरिया की उसके घर के निकट ही गला रेत कर हत्या कर दीं ग्रीष्मा को बचाने का प्रयास कर रहे उसके भाई और चाचा पर भी तीक्ष्ण हथियार से वार कर उन्हें घायल कर दिया थां गत 22 अप्रैल को सूरत कोर्ट में दिनभर दोनों पक्षों की दलीलें चलीं जिसमें सरकारी वकील ने यह मामला केवल वीडियो पर आधारित नहीं हैं आपराधिक मानसिकता के आरोपी फेनिल गोयाणी ने एक योजना के तहत ग्रीष्मा को मौत के घाट उतार दियां हत्या के लिए आरोपी ने पहले रेकी भी की थीं घटना के दिन वह ग्रीष्मा की कॉलेज में उसे खोजने के लिए गया थां जहां ग्रीष्मा की सहेली धृति से कहा था कि वह आज ग्रीष्मा के घर जाकर कुछ बड़ा करने वाला हैं आरोपी ने केवल ग्रीष्मा की हत्या ही नहीं की उसके भाई और चाचा की भी हत्या का प्रयास किया थां इसलिए आरोपी को कठोर से कठोर दंड दिया जाना चाहिएं बचाव पक्ष के वकील ने कोर्ट के समक्ष कहा कि वेबसीरिज देखता है इसलिए उसे फांसी पर लटका दें आरोपी को पश्चाताप नहीं है यह कैसे मान लिया गयां जहां कठोर से कठोर दंड दिया जाता है वहां भी आपराधिक घटनाएं कम नहीं होतीं वालिया डाकू वाल्मिकी बनेगा यह तो उसके मुक्त होने के बाद ही पता चलेगां बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि यह कोई संगठित अपराध नहीं है और ना ही उनका मुवक्कील अपराधियों के साथ घूमता हैं इसलिए आरोपी को कम से कम सजा दी जानी चाहिएं वह बाहर आने के बाद कोई खूंखार आरोपी नहीं बन जाएगां कोर्ट ने 69 दिनों में आरोपी को दोषी करार दिया हैं कोर्ट कार्यवाही के दौरान सरकारी वकील ने तीन दिन दलील दीं, जिसमें कहा कि आरोपी ने आवेश में आकर घटना को अंजाम नहीं दिया, बल्कि इरादातन ग्रीष्मा की हत्या की हैं इस मामले में कोर्ट ने 190 में 105 गवाहों को सुनां गत 22 अप्रैल को पूरे कोर्ट में सरकारी वकील और बचाव पक्ष ने सजा पर अपनी अपनी दलील कीं आज सूरत कोर्ट के न्यायधीश ने इस केस को रेरेस्ट ऑफ रेर केस मानां कोर्ट ने कहा कि ग्रीष्मा केवल 20 वर्ष की थी और उसके भी अपने सपने थें दोषी को सजा देने मेरे लिए आसान नहीं हैं न्यायधीश ने कहा कि मेरे 37 साल के कैरियर में देख रहा हूं कि आरोपी में न तो कानून का डर है और ना ही किसी प्रकार का पश्चाताप हैं आरोपी ने ग्रीष्मा की हत्या के बाद उसके भाई और चाचा की भी हत्या का प्रयास किया हैं कोर्ट ने आरोपी फेनिल गोयाणी को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा के साथ ही 5000 रुपए के जुर्माने का आदेश दिया हैं

ग्रीष्मा वेकरिया हत्या केस : गृह राज्यमंत्री ने कहा कि परिवार से किया वादा किया पूरा

अहमदाबाद (ईएमएस)ं सूरत कोर्ट ने आज ग्रीष्मा वेकरिया हत्या केस में आरोपी को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई हैं कोर्ट के फैसले के बाद गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि ग्रीष्मा वेकरिया के परिवार को न्याय दिलाने का वादा आज पूरा हो गया हैं इस मौके पर हर्ष संघवी ने ग्रीष्मा वेकरिया को श्रद्धांजंलि भी दीं बता दें कि 12 फरवरी 2022 को एकतरफा प्यार में पागल फेनिल गोयाणी नामक शख्स ने 20 वर्षीय ग्रीष्मा वेकरिया की गला रेत कर हत्या कर दी थीं ग्रीष्मा को बचाने का प्रयास करने पर उसके भाई और चाचा पर भी तीक्ष्ण हथियार से वार कर फेनिल ने दोनों को घायल कर दिया थां सूरत कोर्ट ने आज फेनिल गोयाणी को सजा ए मौत के साथ पांच हजार रुपए जुर्माने का आदेश दिया हैं सूरत कोर्ट के फैसले के बाद गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने आज पत्रकार परिषद में ग्रीष्मा वेकरिया को श्रद्धांजंलि देते हुए कहा कि आज ग्रीष्मा के परिवार से किया वादा पूरा हो गया हैं शुक्रवार को मैं अपने सभी कार्यक्रमों को रद्द कर ग्रीष्मा के परिवार से मिलूंगा और उन्हें सांत्वना दूंगां उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व वाली सरकार जो वादा करती है उसे पूरा करती हैं माता, बहन और बेटियों के लिए गुजरात सुरक्षित हैं ग्रीष्मा हत्या केस में लोग चाहते थे कि उसके परिवार को न्याय मिले और आरोपी को जल्द से जल्द सजा हों पुलिस ने मामले की तेजी से जांच की और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया हैं आज प्यारी ग्रीष्मा के परिवार से किया वादा पूर्ण होने पर मैं संतुष्ट हूं ग्रीष्मा के परिवार से मैंने वादा किया कि घर में शोक पूर्ण होने से पहले ही उसके हत्यारे को कड़ी से कड़ी सजा दिलाऊंगां अपराधियों के खिलाफ हमारी लड़ाई लगातार जारी है और आगे भी रहेगीं उन्होंने कहा कि ग्रीष्मा के हत्या केस में केवल 69 दिनों में दोषी को फांसी की सजा हुई हैं दोषियों को सजा देने के मामलों में गुजरात पहला राज्य हैं कई मामलों में चंद दिनों में दोषियों को सजा सुनाई गई हैं गुजरात के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध हैं कोर्ट ने भी ग्रीष्मा हत्या मामले को रेरेस्ट ऑफ रेर केस माना हैं ऐसे दोषियों को सरकार कभी बख्सेगी नहींं सूरत कोर्ट के फैसले के बाद अब कोई आवेश में भी आकर गलती से अपराध नहीं करेगा और अगर किया भी तो बचने का कोई मौका नहीं मिलेगां सूरत कोर्ट के फैसले से ऐसे लोगो में कानून का खौफ होगां हर्ष संघवी ने कहा कि अगर मामला हाईकोर्ट में जाता है तो वहां भी केस के जल्द से जल्द निपटारे का प्रयास करेंगे और इसके लिए खास वकील की भी व्यवस्था करेंगें गृह राज्यमंत्री ने बताया कि ग्रीष्मा हत्या केस में गृह विभाग ने डीवायएसपी स्तर के अधिकारी समेत 7 अधिकारियों की एसआईटी का गठन किया थां एसआईटी ने ओरल, सायन्टिफिक, इलेक्ट्रोनिक सबूत जुटाए और 5 दिनों के भीतर 2500 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में पेश कर दीं इस मामले में 190 में से 105 गवाहों का बयान लिया गयां 28 फरवरी को मामले की सुनवाई शुरू हुई और आज कोर्ट ने फेनिल गोयाणी को फांसी की सजा सुनाईं

देश-दुनिया में विकास का शेल मॉडल बना गुजशत

मुख्यमंत्री ने आदिवासी जिले छोटाउदेपुर में एक ही दिन में 131 करोड़ रुपए के 70 विकास कार्यों की भेंट दी

- प्रत्येक समाज केमानव तक विकास योजनाएँ सफलतापूर्वक पहुँचा कर विकास का ग्रोथ इंजन बना गुजरात : भूपेंद्र पटेल

अहमदाबाद (ईएमएस)ं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट मत व्यक्त किया है कि हमने प्रत्येक समाज, जाति, वंचित, पीड़ित, शोषित या सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक सरकार की योजनाओं का लाभ सफलतापूर्वक पहुँचा कर गुजरात को विकास का ग्रोथ इंजन बनाया है। उन्होंने कहा कि हम विकास की आवश्यक अधूरी कड़ियों को पूर्ण कर आदिजाति क्षेत्रों को भी विकास की मुख्य धारा में लेकर आए हैं। राज्य सरकार अभी भी आवश्यकता के अनुसार कार्य पूर्ण करने को प्रतिबद्ध है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी के मार्गदर्शन तथा विज़नरी लीडरशिप में विकास की राह पर तेज़ गति से दौड़ रहा गुजरात आज इसी कारण देश-दुनिया में विकास के ग्रोथ इंजन समान रोल मॉडल है। पटेल गुरुवार को आदिवासी बहुल क्षेत्र छोटा उदेपुर ज़िले में 131 करोड़ रुपए के लगभग 70 विकास कार्यों के ई-लोकार्पण तथा शिलान्यास सम्पन्न करने के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आदिजाति ज़िले को 84.56 करोड़ रुपए के ख़र्च से नवनिर्मित 3 समूह जलापूर्ति योजनाओं के लोकार्पण के साथ दो पशु चिकित्सालय, 2 ग्रामीण मार्ग तथा 45 नवीन आँगनाड़ियाँ भेंट किए। उन्होंने विभिन्न लाभार्थियों को 'मा' कार्ड, गंगास्वरूपा महिलाओं को पेंशन सहायता आवंटन पत्र, बच्चों को कोटि आदि अर्पित किए। उन्होंने कहा कि विकास का मुख्य आधार पानी है। गुजरात ने दो-ढाई दशक पहले पानी की यातनाएँ देखी है तथा पानी की क़िल्लत भोगी है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई के दृष्टिपूर्ण आयोजन से घर-घर पानी पहुँचने लगा है तथा लोगों को पर्याप्त पानी मिलता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट मत दर्शाया, ''हमें हमारी पूर्ववर्ती पीढ़ी ने पानी दिया है। ऐसे में अब हमें भी पानी का सुनियोजित व विवेकपूर्ण उपयोग कर आने वाली पीढ़ी के लिए पानी सुरक्षित रखना है।'' उन्होंने कहा कि महावीर स्वामी ने सदियों पहले हमें पानी का घी की भाँति उपयोग करने की सलाह दी थी, तो प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी पानी को पारसमणि बताते हैं। ऐसे में यह सामूहिक दायित्व हम सभी को निभाना है कि पानी का व्यर्थ व्यय न हो और सभी को पर्याप्त पानी मिले। उन्होंने कहा कि हमने जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क जैसी हर सुविधा ठेठ सुदूरवर्ती-अंदरूनी गाँवों तक पहुँचाने की सफलता श्री नरेंद्रभाई के दिशा-निर्देशन में प्राप्त की है। आदिजाति बच्चे अब स्थानीय स्तर पर स्कूलों में अंग्रेज़ी माध्यम में पढ़ाई करने लगे हैं। इतना ही नहीं, वे डॉक्टर, इंजीनियर, पायलट जैसे उच्च कॅरियर क्षेत्रों में भी शामिल हो रहे हैं।

भूपेन्द्र पटेल ने इस संबंध में समीक्षात्मक भूमिका दी कि सरकार आदिजाति वनबंधु क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास कार्यों के लिए सदैव तत्पर है और आदिजातियों के साथ है। उन्होंने कहा कि देश में जहाँ 20 परिवार हों, वहाँ बिजली का कनेक्शन देने का प्रावधान है, परंतु राज्य सरकार ने आदिवासी परिवारों की निवास पद्धति को ध्यान में रखते हुए 10 घरों-परिवारों वाले मोहल्ला क्षेत्रों को भी बिजली कनेक्शन से जोड़ लिया है। उन्होंने कहा कि हम आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों-विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा में इंटरनेट कनेक्टिविटी की और अधिक सुविधा देने के लिए 500 नए मोबाइल टावर स्थापित करने वाले हैं। इसके लिए बजट में इस वर्ष 100 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। भूपेंद्र पटेल ने अपेक्षा व्यक्त की कि आज़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष में आदिजाति क्षेत्र के ये विकास कार्य अमृत पर्व बनेंगे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी तथा स्वतंत्रता के बाद सीमा पर जवान देश की रक्षा करते हुएराष्ट्रसेवा कर रहे हैं। उसी तरह हम सभी पानी व बिजली की बचत तथा प्लास्टिक का कम उपयोग करके भी देश की सेवा कर सकते हैं। सभी को साथ मिलकर विकास के कार्यों में आगे आने के लिए अनुरोध करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा,''मुझे विश्वास है कि इस क्षेत्र को मिले पशु चिकित्सालय, आँगनबाड़ी, स्कूली कमरे आदि विकास कार्यों से विकास की गति को और गति मिलेगी। उन्होंने भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021 में छोटा उदेपुर ज़िला पंचायत केदीनदयाल सशक्तिकरण पुरस्कार प्राप्त करने पर पंचायत के सभी कर्मचारियों को बधाई दी।

स्वास्थ्य तथा जलापूर्ति मंत्री ऋषिकेश पटेल ने घर-घर पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने सरकार के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि छोटा उदेपुर ज़िले में लगभग 250 करोड़ रुपए की लागत से जलापूर्ति की व्यवस्था की जा रही है। इस क्षेत्र में माता नर्मदा का पानी पहुँचाने का व्यापक प्रबंध किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी का सपना है कि राज्य के 14 ज़िलों में रहने वाले आदिवासी परिवारों को उन्नत समाज की श्रेणी में रखा जाए। ऋषिकेशभाई पटेल ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री के इस सपने को पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2001 के बाद गुजरात तथा भारत के विकास का सूर्योदय हुआ है। गुजरात के विकास का मॉडल आज विकास का प्रेरणा स्रोत बना है। छोटा उदेपुर ज़िले के सभी गाँवों तथा सभी घरों में नल से जल पहुँचाने का आयोजन किया गया है। इसके साथ सिंचाई सुविधा का लाभ भी दिया जाएगा।

आदिवासी उत्थान को सरकार की पहली प्राथमिकता बताते हुए स्वास्थ्य राज्य मंत्री व ज़िला प्रभारी श्रीमती निमिषाबेन सुथार ने कहा सभी लोगों को घर-घर डायालिसिस सेंटर सहित स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाई जा रही हैं। डिजिटल शिक्षा का दायरा बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने अंबाजी से उमरगाम तक के आदिवासी बेल्ट में 500 मोबाइल टावर स्थापित करने की योजना बनाई है। उन्होंने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जाने वाली विकास योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

एटीएस का गैरकानूनी हथियारों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन

एटीएस ने ५२ गैरकानूनी हथियार के साथ २२ को गिरफ्तार किया

राज्य के बाहर से हथियारों को लाने के बाद यह सौराष्ट्र में बेचते, गिरफ्तार हुए अधिकतर आरोपी सौराष्ट्र के

गांधीनगर, ५ मई ।

गुजरात एटीएस सौराष्ट्र में चलते गैरकानूनी हथियारों की बिक्री के रैकेट का पर्दाफाश किया गया है । गुजरात एटीएस ने एक बड़ा ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा किया है । एटीएस ने राज्य के बाहर से गुजरात में लाये जाते हथियारों के कारोबार का पर्दाफाश किया है। इसके साथ ही गुजरात एटीएस ने ५२ हथियारों के साथ २२ आरोपियों को गिरफ्तार किया है । पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में आरोपियों ने कबूला है कि, वह राज्य के बाहर से हथियारों को लाये थे । जिसके बाद यह हथियारों को सौराष्ट्र में बेचते थे । हालांकि गुजरात एटीएस ने गिरफ्तार किए अधिकतर आरोपी सौराष्ट्र के ही होने का सामने आया है । अब इस रैकेट में कौन कौन शामिल है और यह हथियार कहां कहां राज्यों से लाये गये इस दिशा में जांच शुरू कर दी है । पुलिस जांच में और शख्सों के शामिल होने का सामने आ सकता है । गुजरात एटीएस ने सौराष्ट्र में से गैरकानूनी हथियारों की बिक्री के रैकेट का पर्दाफाश किया है । गुजरात एटीएस ने एक निजी ऑफरेशन शुरू करके यह रैकेट का पर्दाफाश किया है। इसके साथ ही गुजरात एटीएस ने इस अपराध में शामिल २२ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा आरोपियों से ५२ हथियारों को जब्त किया गया है । पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि, अधिकतर आरोपी सौराष्ट्र के निवासी है। राज्य के बाहर से वह यह हथियारों को लाये थे और सौराष्ट्र में इसे बेचते थे । मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस पूछताछ में यह गैंग ने यह भी कबूलात की है कि, उन्होंने १०० से भी ज्यादा हथियार गुजरात में लाकर बेचा था । जिसका उपयोग अपराध के इस्तेमाल में किया जाता था। मिली जानकारी के अनुसार, एटीएस के अधिकारियों का कहना है कि, हथियारों का यह नेटवर्क पिछले दो वर्ष से चल रहा था । आरोपी २० हजार से लेकर ३५ हजार की कीमत पर हथियार गुजरात में लाते थे। इसके बाद ४० हजार से डेढ़ लाख की कीमत पर आरोपी यह हथियारों को बेचते थे ।

निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी को 3 महीने की जेल, एनसीपी की रेशमा पटेल को भी सजा

मेहसाणा (ईएमएस)ं यहां की कोर्ट ने एक मामले में वडगाम से निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता रेशमा पटेल समेत 12 आरोपियों को 3 महीने की सजा के साथ ही रु. 1000-1000 का जुर्माना किया हैं इस मामले के एक आरोपी की मौत हो चुकी है और एक आरोपी फरार हैं पूरा मामला 12 जुलाई 2017 का है, जब ऊनाकांड की पहली बरसी पर निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी ने अपने 10 सहयोगियों के साथ मेहसाणा से बनासकांठा जिले के धानेरा तक 'आजादी कूच' का आयोजन किया थां हांलाकि प्रशासन ने इसकी मंजूरी नहीं दी थीं इसके बावजूद जिग्नेश मेवाणी ने मार्च की थीं जिसमें एनसीपी की नेता रेशमा पटेल और जेएनयू के विद्यार्थी नेता रहे कन्हैया कुमार भी शामिल हुए थें इस घटना को लेकर मेहसाणा पुलिस ने मंजूरी के बगैर गैरकानूनी रूप से एकत्र होने का मामला दर्ज किया थां मेहसाणा की कोर्ट ने आज बगैर मंजूरी के रैली करने के मामले में 12 आरोपियों को दोषी करार देते हुए 3 महीने की जेल और एक-एक हजार रुपए के जुर्माने का आदेश दिया हैं इन 12 आरोपियों में निर्दलीय विधायक जिग्नेश नटवरलाल मेवाणी, एनसीपी नेता रेशमा विट्ठलभाई पटेल, सुबोध बलदेवभाई परमार, कन्हैया कुमार जयराजसिंह, लालजी परागभाई महेरिया, जोइताराम सोमाभाई परमार, अरविंद दलपतभाई परमार, कपिल गौतमभाई शाह, गौतम लालजीभाई श्रीमाली, कौशक बाबुलाल परमार, रामु शिवानभाई परमार और खोडीदास इश्वरदास परमार शामिल हैं कोर्ट के फैसले पर एनसीपी नेता रेशमा पटेल ने प्रतिक्रिया दी हैं रेशमा पटेल ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं यह दुर्भाग्य है कि भाजपा के शासन में न्याय मांगना भी अपराध हो गया हैं भाजपा कानून को खौफ दिखाकर हमारी आवाज दबा नहीं सकतीं हम जनता को न्याय दिलाने के लिए हमेशा लड़ते रहेंगें

१० लाख रिश्वत की पेशकश के बाद भी बचने का रास्ता नहीं मिला

सूरत, ५ मई ।

सूरत रेलवे स्टेशन पर १६ टन स्क्रैप को कबाड़ में बेचने के मामले में फरार तीनों इंजीनियरों को बचने का कोई रास्ता नहीं मिलने पर आखिरकार आरपीएफ क्राइम ब्रांच के सामने सरेंडर कर दिया । सरेंडर करने से पहले इन तीनों ने हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत लेने, रिश्वत देने समेत हर हथकंडे अपनाए । इन्होंने बिचौलियों के माध्यम से आरपीएफ के पीआई को रिश्वत देने की कोशिश भी की । तीनों २५ अप्रैल से फरार थे। आरोपियों में सीनियर सेक्शन इंजीनियर संजय पांडेय और सीनियर सेक्शन इंजीनियर पंकज और निरंजन शामिल हैं । अब तक कुल १२ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है । इनमें तीन रेलवे के ग्रुप डी के कर्मचारी भी हैं, जिन्हें सस्पेंड कर दिया गया है । आरपीएफ ने बुधवार को तीनों को कोर्ट में पेश कर ३ दिन की रिमांड पर लिया है । तीनों इंजीनियरों ने बिचौलियों के माध्यम से आरपीएफ के पीआई को १० लाख रुपए रिश्वत देने की कोशिश भी की थी । इस संबंध में बिचौलियों का एक ऑडियो सामने आया है । इसमें राहुल नामक एक बिचौलिया रेलवे कर्मचारी से बात कर रहा है। राहुल इसी मामले में जेल में हैं । उसी ने बिचौलिए को आरपीएफ के पीआई से मामला रफा-दफा कराने का आश्वासन दिया था । ऑडियो में राहुल कह रहा है कि हमने मुंबई मुख्यालय तक बात कर ली है । आरपीएफ क्राइम ब्रांच के प्रभारी पुष्पेंद्र कुमार के साथ ही आरपीएफ प्रभारी अनिल यादव को १० लाख की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने रुपए लेने से साफ मना कर दिया है ।

डीजे की ताल पर नाच रहे दूल्हे की मौत से शादी की खुशी मातम में बदली

सूरत (ईएमएस)ं सूरत के अरेठ गांव में आयोजित एक शादी समारोह में डीजे के ताल पर युवक नाच रहे थें दूल्हा भी युवकों के साथ नाच रहा थां इस बीच युवकों ने दूल्हे को कंधे पर उठा लियां कुछ ही देर में दूल्हे के अचानक गिरने से उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दियां दूल्हे की मौत से शादी की खुशी का माहौल मातम बदल गयां जानकारी के मुताबिक सूरत के अरेठ गांव युवक की शादी थीं सुबह से लेकर शाम तक कई विधियां बिना किसी बाधा के पूर्ण हो गईं और दूल्हे को कोई तकलीफ नहीं हुईं रात के वक्त दूल्हे को हल्दी लगनी थी और उसके बाद डीजे के साथ नाच-गान का कार्यक्रम थां हल्दी लगने के बाद दूल्हा भी अन्य युवकों के साथ डीजे की ताल पर थिरक रहा थां इस बीच कुछ युवकों ने दूल्हे को अपने कंधों पर उठा लियां उस दौरान दूल्हे की सीने में अचानक दर्द होने लगा और निढाल होकर युवकों के कंधों पर ही गिर पड़ां इस घटना से वहां मौजूद हर कोई स्तब्ध रह गयां नाते-रिश्तेदारों ने तुरंत दूल्हे को सरदार स्मारक अस्पताल पहुंचायां जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दियां एक ही पल में शादी की खुशी मातम में तब्दील हो गईं

साले के अंतिम संस्कार में जा रहे बहनोई की सड़क दुर्घटना में मौत

सुरेन्द्रनगर (ईएमएस)ं जिले के कोठारिया के निकट कार और ऑटो रिक्शा के बीच आमने-सामने हुई भिडंत में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गयां मृतक व्यक्ति अपने साले के अंतिम संस्कार में जा रहा थां हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गयां स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद जिले के साणंद निवासी मगन राजीभाई सोलंकी के सुरेन्द्रनगर जिले के दिगसर निवासी साले की मौत हो गई थीं साले की मौत की खबर मिलने के बाद मगन सोलंकी ऑटो रिक्शा में साणंद से दिगसर जा रहे थें रास्ते में सुरेन्द्रनगर जिले के कोठारिया के निकट सामने से आ रही कार के ड्राइवर ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दियां बेलगाम कार ने ऑटो रिक्शा को अपनी चपेट में ले लियां इस हादसे में मगन सोलंकी की घटनास्थल पर ही मौत हो गईं जबकि हादसे में घायल एक अन्य व्यक्ति को सुरेन्द्रनगर के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया हैं दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गयां घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं

रुपये के भूखे मां-पिता

मां-पिता ने जबरदस्ती बेटी की शादी शादीशुदा के साथ निश्चित की

युवती अपने मां-पिता और चाचा से इतने हद तक डर गई थी कि बोलने के लिए कुछ तैयार नहीं थी

अहमदाबाद, ५ मई ।

पैसे की लालच में मां-पिता और चाचा ने २१ वर्ष की बेटी की शादी पुरूष के साथ निश्चित की थी । जिसकी मां के लिए युवती पर दबाव किया जाता था । इतना ही नहीं वह दबाव करके झगड़ा करते थे और मारपीट भी करते थे । जबरदस्ती से शादी कराने के लिए अत्याचार करते थे । आखिर में परेशान होकर युवती ने अभयम महिला हेल्प लाइन की मदद ली थी । इसके बाद अभयम की टीम ने युवती के मां-पिता और चाचा को समझाकर पूरे मामले को शांत कराया । इस बारे में यह जानकारी है कि अहमदाबाद के धंधुका में रहती युवती ने अभयम महिला हेल्प लाइन की मदद मांगी थी । इसके बाद अभयम की टीम युवती के घर पहुंची थी । टीम ने युवती के घर पर इसकी पूछताछ की थी । हालांकि, युवती अपने मां-पिता और चाचा से इतने हद तक डर गई थी कि वह बोलने के लिए कुछ तैयार नहीं थी । लेकिन अभयम की टीम ने इसे सांत्वना दी थी इसके बाद युवती ने सच्चाई बताई । युवती ने अभयम की टीम ने बताया है कि, इसकी उम्र २१ वर्ष की है । रुपये की लालच में इसके मां-पिता और चाचा इसकी शादी एक शादीशुदा पुरूष के साथ कराना चाहते है । युवती ने अभयम की टीम को यह बताया है कि, इसने शादी करने से मना किया तो इसके मां-पिता और चाचा द्वारा जबरदस्ती की गई थी । उन्होंने ऐसी धमकी दी की हालांकि शादी नहीं करे तो इसे जान से मार दूंगा । इसके अलावा युवती ने एक चौंकाने वाली जानकारी भी बताई है । इसे जो लड़का पसंद है इसके सात भाई है । जिसकी वजह से सात भाईयों के बीच प्रॉपर्टी के हिस्सा पड़े ऐसा विचार इसके मां-पिता और चाचा रखते है । जिसकी वजह से यह लड़का से था शादी करने से मना कर दिया था । दूसरी तरफ, रुपये की लालच देकर शादीशुदा पुरूष इसके साथ शादी करने चाहते होने से वह भी जबरदस्ती कर रहा था ।

अहमदाबाद के ईसनपुर क्षेत्र की घटना

घर आयी पति की प्रेमिका ने इसके सामने पत्नी को पीट दिया

अहमदाबाद, ५ मई ।

शहर के ईसनपुर क्षेत्र से एक अजीब घटना सामने आई है । पति और पत्नी घर पर मौजूद थे और बराबर उसी समय में पति की प्रेमिका आ गई थी । घर पर आ गई पति की प्रेमिका ने इसके सामने ही पत्नी के साथ झगड़ा किया और मारपीट की थी । प्रेमिका ने पत्नी को ऐसी भी धमकी दी कि, तेरे पति के साथ तुझे नही रहने दूंगी और तेरा घर बसने नहीं दूंगी । तेरी संपत्ति भी बेचवा दूंगी और तुझे रास्ते पर ला दूंगी । यह धमकी बाद पत्नी ने पति की प्रेमिका के विरूद्ध ईसनपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी । अब पुलिस ने अपराध दर्ज करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है । इस बारे में यह जानकारी है कि, ईसनपुर में पत और पत्नी किराये के मकान में रहते है । पति जहां नौकरी करते है वहां साथ में काम करती एक महिला के साथ इसके प्रेमसंबंध बन गया था । एक महीने पहले पति की इस करतूत की जानकारी पत्नी को हुई थी । इस बात की जानकारी मिलने के बाद पत्नी पति की प्रेमिका को समझाने के लिए गई थी । तब पति की प्रेमिका ने इसके साथ झगड़ा किया था । इस झगड़े बाद सुबह में अचानक पति की प्रेमिका घर पर आ गई थी । प्रेमिका ने महिला को ऐसा कहा कि, तुम क्यों अक्सर तेरे पति मामले में मुझे पूछते है और इसके बाद झगड़ा करने लगी थी । पति की प्रेमिका ने झगड़ा शुरू करने पर पत्नी ने इसे शांत रहने के लिए कहा था । हालांकि, प्रेमिका इस बात से नाराज हो गई थी पति के प्रेमिका ने इसकी पत्नी को कहा कि, मैं तुझे तेरे पति के साथ नहीं रहने दूंगी और तेरा घर भी बसने नहीं दूंगी । तेरी संपत्ति भी बेचवा दूंगी और तुझे रास्ते में ला दूंगी । ऐसी धमकी देने के बाद पति की प्रेमिका ने इसके सामने ही पत्नी के साथ मारपीट की थी । पत्नी का आरोप है कि, पति ने भी अपनी प्रेमिका का पक्ष लिया था और इसे अपशब्द भी कहा था । बाद में पत्नी ने पति की प्रेमिका के विरूद्ध ईसनपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी । अब पुलिस ने अपराध दर्ज करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है ।

एनटीपीसी की परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए गांधीधाम-भागलपुर-गांधीधाम ट्रेनों में स्लीपर श्रेणी के दो कोच जोड़े जएंगे

अहमदाबाद (ईएमएस)ं नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (एनटीपीसी) के द्वितीय चरण की परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेन संख्या 09451/9452 गांधीधाम-भागलपुर-गांधीधाम एक्स्प्रेस में स्लीपर श्रेणी के दो कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है। मण्डल रेल प्रवक्ता ने माहिती देते हुए बताया की, गांधीधाम से चलकर भागलपुर जानेवाली ट्रेन संख्या 09451 गांधीधाम-भागलपुर एक्स्प्रेस में दिनांक 06.05.2022 को व भागलपुर से चलकर गांधीधाम आनेवाली ट्रेन संख्या 09452 भागलपुर-गांधीधाम एक्स्प्रेस में दिनांक 09.05.2022 को स्लीपर श्रेणी के दो कोच जोड़े जाएंगे। यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया यात्रा के दौरान स्थानीय / राज्य प्रशासन द्वारा जारी कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करें। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री ँ.ाहल्निब.गर्ह्रीहैंग्त्ुदन.ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

राजकोट रेल मंडल की 4 ट्रेनों में सीजन टिकट धारकों को यात्रा करने की मिली अनुमति

राजकोट (ईएमएस)ं पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए राजकोट मंडल की 4 ट्रेनों में सीजन टिकट धारकों को यात्रा की अनुमति प्रदान की जा रही है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम अभिनव जेफ अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09444 मोरबी-वांकानेर डेमू
2. ट्रेन संख्या 09563 वांकानेर-मोरबी डेमू
3. ट्रेन संख्या 09440 मोरबी-वांकानेर डेमू
4. ट्रेन संख्या 09561 वांकानेर-मोरबी डेमू

यात्री यात्रा के दौरान स्थानीय / राज्य प्रशासन द्वारा जारी कोविड -19 प्रोटोकॉल का पालन करें।

अहमदाबाद रेल मंडल की 06 ट्रेनों में सीजन टिकट धारकों को यात्रा की अनुमति

अहमदाबाद (ईएमएस)ं पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद मंडल की 06 ट्रेनों में सीजन टिकट धारकों को यात्रा की अनुमति प्रदान की जा रही है। मण्डल रेल प्रवक्ता, अहमदाबाद के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09475 महेसाणा – पाटन पैसेंजर
2. ट्रेन संख्या 09476 पाटन – महेसाणा पैसेंजर
3. ट्रेन संख्या 09481 महेसाणा – पाटन पैसेंजर
4. ट्रेन संख्या 09482 पाटन – महेसाणा पैसेंजर
5. ट्रेन संख्या 09483 महेसाणा – पाटन पैसेंजर
6. ट्रेन संख्या 09484 पाटन – महेसाणा पैसेंजर

यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया यात्रा के दौरान स्थानीय/राज्य प्रशासन द्वारा जारी कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करें ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री ँ.ाहल्निब.गर्ह्रीहैंग्त्ुदन.ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं

डेल्हीवरी लिमिटेड का आईपीओ 11 मई, 2022 को खुलेगा

मुंबई, गुरुवार 5 मई, 2022: डेल्हीवरी लिमिटेड (''डेल्हीवरी'' या ''कंपनी''), 11 मई, 2022 को अपना आईपीओ (''ऑफर'') खोलने की योजना बना रही है। एंकर निवेशक बोली/प्रस्ताव अवधि, बोली/प्रस्ताव खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पूर्व है, यानी 10 मई, 2022 को है।

ऑफर का प्राइस बैंड ?1 अंकित मूल्य पर ?462 प्रति इक्विटी शेयर से ? 487 प्रति इक्विटी शेयर के बीच तय किया गया है। इस ऑफर में कर्मचारी आरक्षण हिस्सा (नीचे परिभाषित) में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों के लिए प्रस्ताव मूल्य पर 25 रु. प्रति इक्विटी शेयर की कर्मचारी छूट दी जा रही है। न्यूनतम 30 इक्विटी शेयर और उसके बाद 30 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है।

यह ऑफर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूंजी और प्रकटीकरण आवश्यकताओं का निर्गम) विनियम, 2018, यथा संशोधित (ठसेबी आईसीडीआर विनियमनठ) के विनियमन 31 के साथ प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19(2)(बी) की शर्तों, यथा संशोधित (ठएससीआरआरठ), के अनुसार उपलब्ध कराया जा रहा है। यह प्रस्ताव बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से और सेबी आईसीडीआर विनियमों के विनियमन 6(2) के अनुपालन में किया जा रहा है, इस ऑफर में पेश किए गए इक्विटी शेयरों को लिस्टिंग के बाद बीएसई लिमिटेड (ठबीएसई'') और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (''एनएसई'', बीएसई के साथ, ''स्टॉक एक्सचेंजों'') पर सूचीबद्ध किये जाने का प्रस्ताव है।

कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया लिमिटेड और सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इस ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

यहां उपयोग किए गए सभी बड़े अक्षरों में दिये गये शब्द जो परिभाषित नहीं किए गए हैं, रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस और प्रॉस्पेक्टस में उनके लिए वर्णित समान अर्थ होंगे।

टाटा मोटर्स ने नए एस ईवी के साथ ई-कार्गो के क्षेत्र में परिवहन समाधान पेश किये

मुंबई, 5 मई 2022 : भारत के सबसे बड़े वाणिज्यिक वाहन निर्माता टाटा मोटर्स ने आज नए, क्रांतिकारी एस ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीईकल) के लॉन्च के साथ स्थाबयी परिवहन को बढ़ावा देने के अपने अभियान में एक महत्वसपूर्ण छलांग लगाई है। एस ईवी कंपनी के बेहद लोकप्रिय वाहन, एस का इलेक्ट्रिक वर्जन है। कंपनी वास्तेव में 17 साल के लंबे अंतराल के बाद फ्रेट मूवमेंट यानी माल की आवाजाही को पुनर्परिभाषित कर रही है। नई एस ईवी भारत का सबसे उन्नकत, ज़ीरो-उत्सकर्जन वाला चौपहिया छोटा वणिज्यिक वाहन (एससीवी) है। यह एक हरित एवं स्माबर्ट परिवहन समाधान है जो शहर के भीतर तरह-तरह के इस्तेलमाल के लिए अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार है।

एस ईवी की पेश्कलश पर श्री एन चंद्रशेखरन, चेयरमैन, टाटा संस एवं टाटा मोटर्स ने कहा, ''ई-परिवहन एक ऐसा विचार है जिसका समय अब आ गया है। टाटा मोटर्स में, हम यात्री कारों, वाणिज्यिक वाहनों और जगुआर लैंड रोवर में इस बदलाव को बढ़ावा देने के लिए तेजी से और व्याापक पैमाने के साथ बढ़ रहे हैं। मुझे आज खुशी है कि एस ईवी के लॉन्च के साथ हम ई-कार्गो परिवहन के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। टाटा एस भारत का अब तक का सबसे सफल वाणिज्यिक वाहन है। यह परिवहन के क्षेत्र में क्रांति लेकर आया है और इतने सालों में लाखों कामयाब उद्यमी बनाए। तकनीकी रूप से उन्नोत, स्व्च्छ और स्माहर्ट मोबिलिटी समाधान प्रदान करके अपनी धरोहर को आगे बढ़ाएगा। मैं वाणिज्यिक वाहनों के विद्युतीकरण को लेकर बहुत उत्सानहित हूँ।''

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95